● वर्ष-4
● अंक-74
रायपुर, मंगलवार
05 नवंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» कृष्ण के 80 पुत्रों का रहस्य...

डबल इंजन की सरकारें विकास की राह पर-मोहन

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव का किया शुभारंभ, विकसित छत्तीसगढ़ के विजन को पूरा करने तैयारी पूरी-साय

रायपुर। राज्य स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डबल इंजन की सरकारें छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश को तीव्र गति से विकास की राह पर लेकर जा रही है। डॉ. यादव ने छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित जनहितैषी योजनाओं और माओवादी आतंक के विरूद्ध संचालित अभियान की सफलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ से माओवाद समाप्ति की ओर है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की साझा संस्कृति है साझा विचार है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया, यह सम्मान ऐसे ही हासिल नहीं हुआ। छत्तीसगढ़ के लोग अपनी सहजता-सरलता के लिए, अपने धान के कटोरे के लिए और अपने प्राकृतिक संसाधनों के लिए जाना जाता है। रायपुर से बस्तर तक विकास का नया आयाम स्थापित हुआ है। यहां डबल इंजन की सरकार बहुत तेजी से विकास की राह पर बढ़ रही है। छत्तीसगढ़ में प्रभु श्रीराम ने अपना बहुत समय गुजारा है। माता शबरी के जूठे बेर खाने वाला प्रसंग भी छत्तीसगढ़ का है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान राम और भगवान कृष्ण के कारण से हमारा गौरवशाली अतीत बना है, उसे सहेजने के लिए हमारी सरकार काम करेगी।

भगवान श्री कृष्ण की भी जिन जगहों पर लीलाएं हुई हैं वहां धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने का काम हम कर रहे हैं। राज्योत्सव का दीपोत्सव के साथ आयोजन हुआ। इससे इस आयोजन की कीर्ति बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां लाडली बहन योजना है आपके यहां महतारी वंदन योजना है। हम सब तेजी से विकास के पथ पर बढ़ते रहेंगे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्योत्सव के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हमारा सौभाग्य है कि राज्योत्सव के शुभारंभ के लिए मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आये हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत छत्तीसगढ़ के शहीद वीरनारायण सिंह, वीर गुंडाधुर सहित अन्य शहीदों के नमन से की। देश भर में जनजातीय समुदाय के शौर्य के प्रतीक बिरसा मुंडा का भी उन्होंने स्मरण किया। उन्होंने गुरु बाबा घासीदास, मिनी माता और महाराजा चक्रधर सिंह जैसी विभूतियों को भी नमन किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का पुण्य स्मरण करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम, माता शबरी, मधेश्वर महादेव तपोस्थल में ऋषि अगत्स्य सहित अन्य ऋषियों का भी स्मरण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश का प्रेम सगे भाईयों की तरह है। दोनों राज्यों का स्थापना दिवस एक ही दिन है। मैं डॉ. मोहन यादव जी को भी स्थापना दिवस की बधाई देता हूँ और मध्यप्रदेश के भी तीव्र विकास की कामना करता हूँ। छत्तीसगढ़ आज 25 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इन 24 सालों की विकास यात्रा आपने देखी है। डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में छत्तीसगढ़ में हर क्षेत्र में विकास हुआ। यहां आईआईटी, आईआईएम, एम्स और लॉ यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान स्थापित हुए। धान खरीदी और पीडीएस की मजबूत व्यवस्था स्थापित हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार को दस महीने हुए हैं। इतने कम समय में ही हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अधिकांश गारंटी को पूरा कर दिया है। चाहे 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का वायदा हो या माताओं-बहनों को एक हजार रुपए देने की बात हो, रामलला दर्शन योजना की बात हो, पीएससी परीक्षा की जांच हो। सभी काम दस महीनों में पूरे किये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना को पूरा करना है। हमने विजन डाक्यूमेंट तैयार किया है और इसके अनुरूप काम करेंगे।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। आज राज्य में जो विकास हुआ, वह अटल जी की वजह से हो पाया है। हमारा प्रदेश श्रीराम का ननिहाल है। यह भूमि का टुकड़ा नहीं, इसमें अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अद्भुत काम किया है।

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि जैसे दीपावली त्यौहार में परिवार के सभी सदस्य एकत्रित होते हैं वैसे ही परिवार के सदस्य और बड़े भाई मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी हमारे साथ खुशियां साझा करने आये हैं। छत्तीसगढ़ का निर्माण लोकतंत्र का सबसे अनूठा, सबसे अनुपम उदाहरण है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश के विकास की रफ्तार को तेज गति से बढ़ा रहे हैं। गौ संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। हमारे प्रदेश छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने एक साथ कई बड़ी योजनाओं को अमलीजामा पहनाया, जिससे प्रदेश में तेजी से विकास हो रहा है।

हिंदू मंदिर पर हमले पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी

कमजोर नहीं होगा हमारा संकल्प-मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं कनाडा में हिंदू मंदिर पर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। इसी तरह, हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भयावह हैं। इस प्रकार की हिंसा कभी भी भारत के संकल्प को कमजोर नहीं कर सकती। हम कनाडा सरकार से न्याय सुनिश्चित करने और कानून का शासन बनाए रखने की उम्मीद करते हैं।

पीएम मोदी की ओर से यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है, जब लगातार दूसरे दिन खालिस्तान समर्थकों ने कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमला किया और वहां मंदिर में मौजूद हिंदुओं को घायल कर दिया। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि दूसरे दिन के हमले के दौरान पुलिस मंदिर परिसर और आसपास मौजूद थी। लेकिन उसके बाद भी उन पर हमले किए गए।

मामले को कनाडा के सामने उठाए भारत सरकार- कांग्रेस

इस बीच, विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने भी कनाडा के ब्रांपटन में हिंदू मंदिर पर खालिस्तानी चरमपंथियों की ओर से की गई हिंसा की निंदा की और भारत सरकार से इस मामले को कनाडा के सामने मजबूती के साथ उठाने का अनुरोध किया।

कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, यह पूरी तरह से निंदनीय है और कांग्रेस स्पष्ट शब्दों में इस घटना की आलोचना करती है। हम भारत सरकार से इस मुद्दे को कनाडाई अधिकारियों के सामने मजबूती से उठाने का आग्रह करते हैं। किसी को भी श्रद्धालुओं को मंदिर में जाने से रोकने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

हमले पर विदेश मंत्रालय ने क्या कहा

हिंदू मंदिर पर हमला ऐसे समय में हुआ है, जब भारत और कनाडा के बीच राजनयिक तनाव बढ़ा हुआ है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नई दिल्ली कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर रूप से चिंतित है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम ब्रांपटन, ओंटारियों में हिंदू सभा मंदिर में चरमपंथियों और अलगाववादियों की ओर से की गई हिंसा की निंदा करते हैं। हम कनाडा सरकार से आग्रह करते हैं कि सभी पूजा स्थलों को ऐसे हमलों से सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग हिंसा में शामिल हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

बस खाई में गिरी, 36 की मौत

अल्मोड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। मार्चुला के पास एक बस खाई में गिर गई है। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। चार घायलों को एयरलिफ्ट भी किया गया है। तीन घायलों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। एसडीआरएफ की टीम मौके पर है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के मार्चुला इलाके के पास सोमवार को यात्रियों से भरी बस नदी में गिर गई।

बस में 55 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंचा। एसएसपी अल्मोड़ा मौके पर पहुंच गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची हैं। हादसे में 36 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। पीएम नरेंद्र मोदी ने अल्मोड़ा सड़क हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा, उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए सड़क हादसे में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं।

प्रमुख समाचार

मुडा मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की बढ़ीं मुश्किलें

मैसूर। लोकायुक्त पुलिस ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मुडा जमीन आवंटन मामले में पूछताछ के लिए छह नवंबर को तलब किया है। पिछले महीने 25 अक्तूबर को मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती बी.एम. से भी पूछताछ की गई थी। वह भी इस मामले में एक आरोपी हैं। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ लोकायुक्त अधिकारी ने बताया, हमने मुख्यमंत्री को बुधवार सुबह पेश होने के लिए कहा है। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में सिद्धारमैया, उनकी पत्नी और उनके भाई मंडल मल्लिकार्जुन स्वामी का नाम भी शामिल है। स्वामी ने एक भूखंड खरीदा था, जिसे उन्होंने पार्वती को उपहार में दिया था। इस मामले में अन्य लोगों के नाम भी प्राथमिकी में दर्ज किए गए हैं। प्राथमिकी 27 सितंबर को मैसूर के लोकायुक्त थान में दर्ज की गई थी। मुडा शहरी विकास के दौरान अपनी जमीन खोने वाले लोगों के लिए एक योजना लेकर आई थी। 50:50 नाम की इस योजना में जमीन खोने वाले लोग विकसित भूमि के 50त्न के हकदार होते थे। यह योजना 2009 में पहली बार लागू की गई थी। जिसे 2020 में उस वक्त की भाजपा सरकार ने बंद कर दिया।

वे पुरानी बातें दोहराते हैं, लोग उनसे बोर हो गए- प्रियंका

वायनाड। वायनाड लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी ने सोमवार को पीएम मोदी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि वह पुरानी बातें दोहराते हैं। लोग उनसे बोर हो गए हैं। यही बात रविवार को राहुल गांधी ने भी कही थी कि पीएम मोदी के बारे में क्या बात करना? अब उनसे लोग बोर होने लगे हैं। इसे लेकर प्रियंका गांधी ने भी कहा कि पीएम जो बातें कह रहे हैं वह अब पुरानी होती जा रही हैं। प्रियंका ने कहा कि आप लोगों को बांटना और डर फैलाना जारी रख सकते हैं। मगर लोगों के वास्तविक मुद्दों पर ध्यान न देना, यह साफ दिख रहा है। प्रियंका ने कहा कि मैंने यहां के लोगों से पूछा कि उनके मुख्य मुद्दे क्या हैं। मुझे वास्तव में लगता है कि यहां कृषि के लिए सही तरह के प्रोत्साहन के साथ खाद्य प्रसंस्करण और मार्केटिंग के लिए बहुत कुछ किया जा सकता है। यहां की भूमि में अपार संभावनाएं हैं। जरा सोचिए कि क्या इन फसलों के विपणन और पैकेजिंग के लिए उचित सुविधाएं और अच्छी रणनीतियां हों और यहां उचित फूड पार्क हों ताक कितना फर्क पड़ेगा?

महायुति कम से कम 170 सीटें जीतेगीः रामदास अठावले

मुंबई। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने सोमवार को कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कम से कम 170 सीटें जीतेगा। महायुति में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना, भाजपा, अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी और अठावले की आरपीआई (ए) भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने पूरे देश में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए लगातार दलित वोट हासिल किए हैं और महायुति के सीट बंटवारे के समझौते में इसके लिए निर्धारित एक सीट के बजाय उसे चार से पांच सीटें मिलनी चाहिए थीं। उन्होंने कहा, राज्य सरकार की लड़की बहन योजना बहुत प्रभावी और लोकप्रिय है। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ेंगे। इस बार दलित, ओबीसी और मराठा महायुति को वोट देंगे, जिससे हमें 288 विधानसभा सीटों में से 170 सीटें जीतने में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मराठा कोटा फैक्टर, जिसने लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन को प्रभावित किया था, इस बार कोई फैक्टर नहीं होगा क्योंकि शिंदे सरकार ने समुदाय को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया है।

मतदान की तारीख आगे बढ़ाने पर अखिलेश का भाजपा पर तंज

लखनऊ। यूपी में उपचुनाव के लिए मतदान की तारीख आगे बढ़ाने पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि टालेंगे तो और भी बुरा हारेंगे। उन्होंने एक्स पर कहा कि टालेंगे तो और भी बुरा हारेंगे! पहले मिल्कीपुर का उपचुनाव टाला, अब बाकी सीटों के उपचुनाव की तारीख, भाजपा इतनी कमजोर कभी न थी। दरअसल बात ये है कि उत्तर प्रदेश में 'महा-बेरोज़गारी' की वजह से जो लोग पूरे देश में काम-रोजगार के लिए जाते हैं, वो दिवाली और छठ की छुट्टी लेकर यूपी आए हुए हैं और उपचुनाव में भाजपा को हराने के लिए वोट डालने वाले थे। जैसे ही भाजपा को इसकी भनक लगी उसने उपचुनावों को आगे खिसका दिया, जिससे लोगों की छुट्टी खत्म हो जाए और वो बिना वोट डाले ही वापस चले जाएं। यूपी में नौ सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए मतदान की तारीख एक सप्ताह के लिए बढ़ा दी गई है। अब 13 की जगह 20 नवंबर को मतदान होगा। इस संबंध में चुनाव आयोग ने आदेश जारी कर दिया गया है। चुनाव आयोग ने जारी किए गए आदेश में कहा है कि 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा का स्नान पर्व होने की वजह से भाजपा, कांग्रेस सहित क्षेत्रीय दलों ने मतदान की तारीख बदलने की मांग की थी जिस पर यह निर्णय लिया गया है।

अदालत ने मुख्य आरोपी संजय के खिलाफ तय किए आरोप

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर की हत्या और दुष्कर्म मामले के 87 दिन बाद सोमवार को शहर की एक कोर्ट ने मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप तय किए। वहीं, संजय रॉय अभी भी दावा कर रहा है कि उसे हत्या के मामले में फंसाया गया है। पश्चिम बंगाल की सियालदह कोर्ट ने संजय रॉय के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 (1), 64 और 66 के तहत आरोप तय किए। कोर्ट ने यह भी कहा कि मामले की रोजाना सुनवाई 11 नवंबर से शुरू होगी। संजय रॉय पर बीएनएस की धारा 64, धारा 66 (जो मौत या गंभीर स्थिति में लाने से संबंधित हैं) और धारा 103 (हत्या के लिए सजा) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी रॉय को जब अदालत से बाहर लाया जा रहा था, तो उसने पत्रकारों से कहा, मैंने कुछ नहीं किया है। मुझे इस दुष्कर्म-हत्या मामले में फंसाया जा रहा है। कोई मेरी बात नहीं सुन रहा है। सरकार मुझे फंसा रही है और मुझे चुप रहने की धमकी दे रही है। पिछले महीने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने प्राथमिक आरोपपत्र में संजय रॉय को इस मामले का एक मात्र मुख्य आरोपी बताया था। सीबीआई के आरोपपत्र में इस अपराध के पीछे बड़ी साजिश की संभावना जताई गई।

उद्धव ने दी चेतावनी

बागियों को मनाने की कवायद, पूर्व भाजपा सांसद और कांग्रेस नेता ने वापस लिया नाम

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में आज का दिन काफी अहम है। सोमवार को राज्य में नामांकन वापस लेने का आखिरी दिन है। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस समेत तमाम दल अपने-अपने बागियों को मनाने में जुटी हुई हैं। इसी क्रम में पूर्व भाजपा सांसद गोपाल शेट्टी ने बोरीवली सीट से अपना नामांकन वापस लेने की घोषणा कर दी है। उन्होंने बोरीवली सीट से भाजपा के आधिकारिक उम्मीदवार संजय उपाध्याय के खिलाफ नामांकन दाखिल किया था। गोपाल शेट्टी ने कहा कि कभी कोई मतभेद नहीं था। कुछ खास मुद्दे से जुड़ी बातें थीं। मुझे लगता है कि बात सही जगह पहुंच गई है। क्या हुआ और कैसे हुआ, ये बताने की जरूरत नहीं है, लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि पार्टी सर्वोच्च है, व्यक्ति छोटे होते हैं।

वहीं, कस्बा विधानसभा क्षेत्र से बागी कांग्रेस नेता मुख्तार शेख ने अपना नामांकन वापस लेने और आधिकारिक एमवीए उम्मीदवार रवींद्र धांगेकर का समर्थन करने का फैसला किया है। उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया था। मुख्तार शेख ने कहा कि मैंने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन वापस लेने का फैसला किया है। मुझे प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, प्रभारी रमेश चेन्निथला और सांसद सैयद नसीर हुसैन का फोन आया था। उनके आश्वासन के बाद मैंने फैसला लिया और अपना नामांकन वापस ले लिया। मैं कस्बा विधानसभा क्षेत्र में एमवीए उम्मीदवार रवींद्र धांगेकर का समर्थन और उनके लिए काम भी करूंगा।

हम महाविकास अघाड़ी के रूप में ही लड़ेंगेः राउत

इस बीच शिवसेना (यूबीटी) संजय राउत ने कहा कि हम 99 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे या 105 सीटों पर, यह हमारा मकसद नहीं है। हम महाविकास अघाड़ी हैं और हम महाविकास अघाड़ी के रूप में ही लड़ेंगे। आज शाम तक पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी।

उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने कई बागी उम्मीदवारों से संपर्क किया

संजय राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने कई बागी उम्मीदवारों से संपर्क किया और उन्हें अपना नामांकन वापस लेने के लिए कहा। कई बागी उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। उनके पास दोपहर 3 बजे तक का समय है। जिन बागी उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस नहीं लिया है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शरद पवार-उद्धव ठाकरे ने क्या कहा?

बागियों को लेकर एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि दोस्ताना लड़ाई का कोई सवाल ही नहीं उठता। हम एक साथ मिलकर ही चुनाव लड़ेंगे। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि 3 बजे तक इंतजार करें। तस्वीर साफ हो जाएगी। बागियों को पर्चा वापस लेना होगा, वरना उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र की डीजीपी के तबादले के चुनाव आयोग के फैसले का शरद पवार और नाना पटोले ने किया स्वागत

एनसीपी नेता शरद पवार, शिवसेना उद्धव और कांग्रेस ने महाराष्ट्र की डीजीपी रश्मि शुक्ला के तबादले के चुनाव आयोग के फैसले का स्वागत किया। शरद पवार ने कहा कि चुनाव आयोग ने बिल्कुल सही फैसला लिया है। ऐसे लोगों को पद पर नहीं रहना चाहिए। उन्हें पद पर बनाए रखना और विस्तार देने का निर्णय पूरी तरह से गलत था। चुनाव आयोग का उनको हटाने का फैसला सकारात्मक है। उनका कार्यकाल पहले ही खत्म हो चुका था। उद्धव ठाकरे ने भी चुनाव आयोग के निर्णय का स्वागत किया। वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि हमने चुनाव आयोग से डीजीपी का तबादला करने के लिए कहा था। चुनाव आयोग ने इस पर संज्ञान लिया। मगर तबादला करने में इतनी देर क्यों की?

परिवर्तन महाशक्ति गठबंधन ने 121 सीटों पर उतारे उम्मीदवार

महायुति और महाविकास अघाड़ी गठबंधन से अलग दलों के परिवर्तन महाशक्ति गठबंधन 121 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। गठबंधन में पूर्व सांसद राजू शेट्टी की स्वाभिमानी पक्ष, संभाजी छत्रपति की महाराष्ट्र सुराज्य पक्ष और विधायक बच्चू की प्रहार जनशक्ति पार्टी शामिल है। संभाजी छत्रपति ने कहा कि राज्य में तीसरे मोर्चे के तौर पर हम 288 में 121 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद- शाइना एनसी

शिवसेना नेता शाइना एनसी ने कहा कि मैं सभी महिलाओं की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देती हूं। अगर कोई एक नेता है जिसने महिलाओं के सम्मान को बनाए रखा है और इसके लिए आवाज उठाई है, तो वह प्रधानमंत्री मोदी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस पितृसत्तात्मक मानसिकता को देखा है और इसलिए उन्होंने कहा कि हमें महिलाओं के सम्मान को बनाए रखने के लिए एकजुट होने की जरूरत है।

मुंबई की 36 विधानसभा सीटों पर 420 उम्मीदवार

चुनाव आयोग के अधिकारियों की तरफ से साझा की गई जानकारी के अनुसार, राज्य में सोमवार को नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया खत्म होने के बाद, महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी एमवीए मोर्चे समेत 420 उम्मीदवार मुंबई की 36 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव लड़ेंगे।

उन्होंने बताया कि 20 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए मैदान में बचे 420 उम्मीदवारों में से 105 मुंबई शहर जिले में फैले 10 निर्वाचन क्षेत्रों से हैं, जबकि 315 उम्मीदवार मुंबई उपनगरीय जिले में मौजूद 26 सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। 4 नवंबर को नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख थी और इस दिन 60 उम्मीदवारों ने मैदान से बाहर होने का फैसला किया। मुंबई उपनगरीय के कलेक्टर राजेश क्षीरसागर ने बांद्रा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि 53 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन वापस ले लिए हैं, जिससे जिले की 26 सीटों के लिए 315 उम्मीदवार मैदान में हैं।

आज राज्योत्सव में रहेगी छत्तीसगढ़ी लोक गायक संजय सुरीला की धूम

■ राज्योत्सव में दिखेगी विकास की झलक

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय के बेसिक स्कूल मैदान में आगामी 5 नवम्बर को जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का आयोजन किया जा रहा है। राज्योत्सव का आयोजन पूर्ण गरिमा के साथ किया जाएगा। राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ी लोक गायक संजय सुरीला सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। स्थानीय स्कूली बच्चों द्वारा भी शानदार एवं रंगारंग प्रस्तुति दी जाएगी। राज्योत्सव में विभिन्न विभागों द्वारा विकास पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जहाँ विकास की झलक दिखेगी। इसके अलावा अन्य संस्थानों द्वारा भी अपने उत्पादों की बिक्री या प्रदर्शन के लिए स्टॉल लगाये जा रहे है।

कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने बेसिक स्कूल मैदान पहुंचकर राज्योत्सव की तैयारियों का जायजा लिया ।इससे पहले जिला पंचायत के सभागार मैं अधिकारियों की बैठक भी ली। कलेक्टर ने विभिन्न विभागों द्वारा विकास पर आधारित लगाई जा रही जीवंत विकास प्रदर्शनी के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। उन्होने कहा कि स्टॉल राज्योत्सव के गरिमा के अनुरूप होनी

चाहिए। लोकसभा संसद महासमुंद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी मुख्य अतिथि होंगी। ज़िला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारम्भ 5 नवम्बर को शाम 6 बजे होगा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को जल जीवन मिशन के कार्यो पर आधारित स्टॉल लगाने के निर्देश दिये जहां जल जीवन मिशन के झलक दिखेगा। जनसंपर्क विभाग की विकास आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी भी लगायी जाएगी।

कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने राज्योत्सव सफल, सुव्यवस्थित आयोजन के लिए ज़िला अधिकारियों को दायित्व सौपें है। सी ई ओ जिला पंचायत नोडल अधिकारी होंगे। एडीएम व एसडीएम सहायक नोडल अधिकारी होंगे। कलेक्टर ने मंच, बैठक व्यवस्था, बैरिकेटिंग, यातायात व्यवस्था, विद्युत, पेयजल, साफ-सफाई और सजावट आदि की व्यवस्था का दायित्व सौपा है। कलेक्टर ने मंच, बैठक व्यवस्था, बैरिकेटिंग, यातायात व्यवस्था, विद्युत, पेयजल, साफ-सफाई और सजावट आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की और संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री टेकचंद्र अग्रवाल, एडीएम श्री प्रकाश भारद्वाज, एस डी एम बेमेतरा श्री घनश्याम तंवर वह मुकेश गोड़,नवा गढ़,सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी वह एसडीओपी श्री मनोज तिर्की उपस्थित थे।

राज्योत्सव में लता उसेण्डी होंगी मुख्य अतिथि

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के तहत पांच नवम्बर को एक दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन सिटी ग्राउण्ड जगदलपुर में किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बस्तर क्षेत्र

आदिवासी विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष एवं विधायक कोण्डागांव लता उसेण्डी रहेंगी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास, सहकारिता एवं संसदीय कार्य विभाग केदार कश्यप होंगे। राज्योत्सव कार्यक्रम सांसद बस्तर महेश कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण सिंह देव, विधायक चित्रकोट विनायक गोयल, विधायक बस्तर लखेश्वर बघेल, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, महापौर जगदलपुर सफिरा साहू के आतिथ्य में आयोजित किया जा रहा है। उक्त राज्योत्सव कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन साथ-साथ विभागीय स्टॉल भी लगाए जा रहें हैं।

कांकेर में बोले धीरेन्द्र शास्त्री

नक्सलवाद से ज्यादा खतरनाक धर्मांतरण हिन्दुओं को एक करने का प्रयास

कांकेर। बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने कांकेर में धर्मांतरण को लेकर बड़ा बयान दिया। धीरेन्द्र शास्त्री ने धर्मांतरण को नक्सलवाद से बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद व्यक्ति विशेष को टारगेट करते रहे है जबकि धर्मांतरण पूरे समाज को निशाना बनाकर किया जा रहा है, जिसे रोकना बेहद जरूरी है, धर्मांतरण को रोकने पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के देश भर में पद यात्रा करने की बात भी कही है, साथ ही छत्तीसगढ़ के बस्तर और जशपुर में जल्द कथावाचन करने की बात कही है।

पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के कई इलाके ऐसे हैं जहां आज भी आसानी से पहुंच नहीं सकते हैं। ऐसे इलाकों में ही भोले-भाले आदिवासियों को लालच देकर धर्मांतरण कराया गया हैय् उन्होंने कहा कि हिन्दू को छोड़कर बाकी समाज में एकजुटता है। लेकिन हिंदुओं में एकजुटता की कमी है और वो अपने हिन्दू समाज को जोड़ने के लिए ही प्रयास कर रहे हैं।

धीरेन्द्र शास्त्री ने धर्मांतरण को लेकर लगातार प्रहार करते हुए मिशनरियों के स्कूलों में बच्चों को भेजने के बजाय गुरुकुल शिक्षा पद्धति पर जोर देने की भी बात कही है। गौरतलब हो कि कल पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के कार्यक्रम के दौरान ही धर्म परिवर्तन कर मिशनरी समाज में शामिल हो चुके 11 परिवार ने वापस हिन्दू धर्म में वापसी भी की है।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कांकेर से अपने पुराने रिश्ते का जिक्र करते हुए बताया कि जिस पहाड़ा वाली मां भुनेश्वरी के दरबार में वो महायज्ञ में शामिल होने पहुंचे हैं। वहां वो पहले भी आ चुके हैं और यहां से उनका पुराना नाता रहा है। बता दें कि धीरेन्द्र शास्त्री कई साल पहले कांकेर में लंबा समय बिता चुके हैं।

जशपुर पुलिस ने ठगी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया, 10 बुलेट और एक स्कूटी सहित दो गिरफ्तार

जशपुर। जशपुर जिले में ठगी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से वाहनों का फाइनेंस कर उन्हें बेचने वाले रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में कोतबा पुलिस ने रैकेट के मुख्य आरोपी शाहरूख खान (26) और उसके साथी वसीम अकरम (40) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 बुलेट बाइक और एक स्कूटी बरामद की है। इन वाहनों को फर्जी दस्तावेजों के जरिए फाइनेंस कराकर अन्य लोगों को बेच दिया गया था।

दरअसल, इस ठगी के अनोखे मामले की शुरुआत तब हुई जब कोतबा निवासी आशीष शर्मा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उसे एक आर.सी. बुक मिली, जिसमें उसकी जानकारी के बिना एक वाहन (रजिस्ट्रेशन नंबर ष्टत्नङ्क29ए्त 1344) को हिंदुजा लीलैंड फाइनेंस कंपनी के माध्यम से फाइनेंस कर खरीदा गया था, जबकि आशीष और उनके परिवार के किसी भी सदस्य ने इस वर्ष कोई वाहन नहीं खरीदा था और न ही उन्होंने फाइनेंस के लिए अपने दस्तावेज जमा किए थे। मामले की गहन जांच के दौरान खुलासा हुआ कि उनके दस्तावेज की फोटोकॉपी स्कूटी के डिक्की से चुराई गई थी, जिसे

आरोपियों ने फर्जीवाड़ा करने के लिए इस्तेमाल किया।

जशपुर के पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी ने इस ठगी के मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीओपी पत्थलगांव ध्रुवेश कुमार जायसवाल के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। सायबर सेल की मदद से आरोपियों का पता लगाने में सफलता मिली, जिसके बाद कोतबा चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर राकेश सिंह ने टीम के साथ अम्बिकापुर से मुख्य आरोपी शाहरूख खान को गिरफ्तार किया और कोतबा चौकी लाया। पूछताछ में शाहरूख ने बताया कि वह फर्जी दस्तावेज तैयार कर वाहनों को अन्य व्यक्तियों को बेच देता था और अपने सहयोगी वसीम अकरम के साथ ठगी की योजना बनाता था।

शाहरूख खान की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की, जिसमें उसने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने अम्बिकापुर और सूरजपुर से अलग-अलग लोगों से 10 बुलेट और 1 स्कूटी बरामद की। इसके बाद वसीम अकरम को भी पुलिस ने अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने भी अपराध में शामिल होने की बात कबूल की। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है और अब अन्य संभावित आरोपियों की तलाश जारी है।

जशपुर पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने इस मामले पर जानकारी देते हुए कहा कि दस्तावेजों का धोखाधड़ी से इस्तेमाल कर वाहनों का फाइनेंस कराकर उन्हें बेचने वाले इस गिरोह का पर्दाफाश करना पुलिस के लिए बड़ी सफलता है। आरोपियों के कब्जे से 10 बुलेट और एक स्कूटी बरामद की गई है। अन्य आरोपियों की भी पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

हापाटोला मुठभेड़, कांकेर एसपी समेत 58 को केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक

कांकेर। कांकेर पुलिस अधीक्षक आई के एलिसेला समेत जिले के 58 जवान केंद्रीय दक्षता पदक से सम्मानित हुए हैं। उन्हें ये सम्मान हापाटोला मुठभेड़ में सफल ऑपरेशन पर दिया गया। इस मुठभेड़ में लगभग 1 करोड़ 80 लाख के इनामी 29 नक्सली मारे गए थे।

गृह मंत्रालय की तरफ से हर साल विशेष ऑपरेशन, जांच और फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले देशभर के पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक से सम्मानित किया जाता है। साल 2024 में छत्तीसगढ़ के 182 अधिकारी व कर्मचारियों को सम्मानित किए जाने के साथ ही कांकेर के पुलिस अधीक्षक आई। कल्याण ऐलिसेला के अलावा जिले के अन्य 57 अधिकारियों व कर्मचारियों को इस पदक से सम्मानित किए जाने की घोषणा दिवाली के दिन की गई। इस पदक की घोषणा हर साल 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर की जाती है।

कांकेर पुलिस अधीक्षक आई के एलिसेला ने कहा कि छत्तीसगढ़ और कांकेर जिला पुलिस के लिए ये सम्मान बड़ी उपलब्धि है। 16 अप्रैल 2024 को हापाटोला मुठभेड़ में 29 नक्सली मारे गए थे। उन पर 1 करोड़ 80 लाख का इनाम घोषित था। इनमें कई बड़े नक्सली शामिल थे। इस घटना के बाद कांकेर में नक्सली घटनाओं में काफी कमी आई है। इस घटना के बाद लोकसभा चुनाव हुआ था जो काफी शांतिपूर्ण हुआ। इस में नक्सली एनकाउंटर का काफी महत्व रहा।

आई के एलिसेला ने बताया कि इस सफल एनकाउंटर को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक की घोषणा की गई। इस ऑपरेशन में शामिल 60 लोगों को

इस पदक से सम्मानित किया गया। बाकी लोगों के लिए भी वीरता पदक की अनुशंसा की गई है।

कांकेर जिले के कलपर-हापाटोला मुठभेड़ के कुछ माह पहले गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान अगले साल तक नक्सलियों का सफाया करने की बात कहीं थी। इसके बाद ही ये ऑपरेशन चलाया गया। एसपी आई कल्याण ऐलीसेला ने कांकेर और सीमावर्ती जिलों की सीमा पर नक्सल ऑपरेशन के लिए खाका तैयार किया और अंदरुनी इलाके में नेटवर्क बढ़ाया।

कलपर हापाटोला पहाड़ी में नक्सलियों की उपस्थिति का इनपुट मिलने पर नक्सलियों के कैंप पर हमला बोलने की रणनीति तैयार की गई। इस ऑपरेशन में पखांजुर एएसपी प्रशांत शुक्ला, पखांजुर डीएसपी रवि कुमार कुजूर, पखांजुर थाना प्रभारी लक्ष्मण केवट और तत्कालीन बांदे थाना प्रभारी रामेश्वर देशमुख ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की रणनीति पर ऑपरेशन किया। यह आपरेशन उस समय का सबसे बड़ा ऑपरेशन था, जिसमें 29 नक्सलियों को मार गिराने में कांकेर पुलिस और अन्य बल को सफलता मिली। नक्सलियों के कई बड़े लीडर एनकाउंटर में मारे गए।

एचआईव्ही पॉजिटिव मरीज को नेगेटिव रिपोर्ट थमा दिया

दंतेवाड़ा। जिला अस्पताल में अभी मोतियाबिंद कांड का मामला शांत भी नही हुआ है, वहां एक और गंभीर मामला सामने आने के बाद पुन- दंतेवाड़ा जिला अस्पताल सुर्खियां बटोर रहा है। जिला अस्पताल के हमर लैब में एचआईव्ही पॉजिटिव मरीज को नेगेटिव रिपोर्ट थमा दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल के हमर लैब में एचआईव्ही पॉजिटिव मरीज को गलत रिपोर्ट थमाकर निगेटिव बता दिया गया, जबकि, सच्चाई यह है कि मरीज बीते पांच वर्षों से एआरटी लीक से एड्स की दवाइयां ले रहा है। इस मामले की शिकायत स्वयं एचआईव्ही पॉजिटिव मरीज ने दंतेवाड़ा कलेक्टर से लिखित में की है। इस पूरे मामले में जिला के स्वास्थ्य विभाग ने सभी लैब टेक्नीशियन सचिन मसीह, एमन ठाकुर, विजय सिन्हा, मंजू साहू, शिवानी और शार्दूल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पीड़ित मरीज ने प्रशासन को लिखे पत्र में बताया है कि जिला अस्पताल में एचआईवी और वीडीआरएल की जांच पर गलत रिपोर्ट थमाई जा रही है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कांग्रेस पार्षद के घर हमला, तोडफ़ोड़

अंबिकापुर। रविवार की रात नगर के चांदनी चौक मायापुर क्षेत्र में आदतन बदमाश चांद कोरवा के गैंग ने कांग्रेस पार्षद सतीश कुमार बारी के निवास पर लाठी, डंडे व हथियार से लैश होकर हमला बोल दिया। घर का दरवाजा, खिड़की तोड़ दिया। जमकर पथराव किया। यह घटना पार्षद के निवास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई हैं। रात्रि लगभग एक बजे कांग्रेस पार्षद के निवास पर रेंज आइजी अंकित गर्ग व सरगुजा एसपी योगेश पटेल पुलिस टीम के साथ पहुंचे। परिवार के सदस्यों से बातचीत की। उन्होंने पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। सीसीटीवी कैमरे में कैद घटनाक्रम को देखा। शहर की पुलिस को सभी आरोपितों को पकडऩे में लगा दिया है। पार्षद सतीश कुमार बारी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मुख्य आरोपित आदतन बदमाश चांद कोरवा सहित तीन नामजद और एक दर्जन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

यात्रियों से भरी बस पलटी, 12 से अधिक गंभीर रूप से घायल

बालोद। डौंडीलोहारा नगर में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में यात्रियों से भरी हुई बस लोहे की रेलिंग से टकराते हुए पांच फीट नीचे पलट गई। यह हादसा तब हुआ जब बस दुर्ग से डौंडीलोहारा की ओर जा रही थी। बस में 35 से अधिक यात्री सवार थे, जिनमें से सभी को चोटें आई हैं। हादसे में 12 से अधिक यात्री गंभीर रुप से घायल हो गए हैं जिनमें कुछ ही हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को बस से बाहर निकाला और उन्हें अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार 12 से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं जिनमें से कुछ की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। बस के कंडक्टर को भी गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में जारी है। घटना की सूचना मिलते ही डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र की पुलिस, एसडीएम, और तहसीलदार मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि बस चालक की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ।

थाने के सामने खुलेआम गुंडागर्दी, युवक की पिटाई

कांकेर। कांकेर जिले के चारामा बस स्टैंड में खुलेआम गुंडागर्दी का वीडियो सामने आया है। चारामा थाने के सामने ही बस स्टैंड है जहां हॉकी स्टिक लहराते हुए दो युवकों ने बस से उतारकर युवक की पिटाई कर रहे है। इस घटना से कानून व्यवस्था पर फिर एक बार सवालिया निशान खड़े हो रहे है, हालांकि पुलिस कार्रवाई की बात कह रही है। घटना रविवार रात कि है जहां बुलेट में सवार होकर दो युवक बस स्टैंड पहुंचे और बस से एक युवक को उतारकर बेहरमी से पिटाई करने लगे। चारामा टीआई दिलेश्वर चंद्रवंशी ने बताया कि दोनों पक्ष के युवकों को थाने लाया गया है। किस कारण पिटाई कर रहे थे इसकी पूछताछ की जा रही है। वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मामले में पुलिस कार्रवाई की तो बात कह रही है लेकिन नगर के बिगड़ते माहौल से लोगों में दहशत का महौल है। पुलिस पर सवाल उठ रहे हैं कि थाने के ठीक सामने बस स्टैंड में गुंडागर्दी पर पुलिस लगाम नहीं लगा पा रही है।

बस्तर संभाग में शुष्क हवाओं के कारण रात में बढ़ रही ठंड

जगदलपुर। बस्तर संभाग में मौसम का मिजाज बदल रहा है, शुष्क हवाओं के कारण रात में अब ठंड बढने लगी है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक अभी मौसम शुष्क रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। नवंबर में बारिश की गतिविधि सामान्य से कम रहने की संभावना है। जगदलपुर शहर का अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम 17.6 डिग्री दर्ज किया गया। रात का पारा सामान्य से डेढ़ डिग्री ज्यादा था। बताया जा रहा है कि अभी उत्तरी हवाओं के प्रभाव के चलते न्यूनतम तापमान आने वाले दिनों में तेजी से नीचे जाएगा। नवंबर अंत तक न्यूनतम तापमान 12 से 13 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। बस्तर जिला मुख्यालय में गुलाबी ठंड के बढऩे के साथ ही मार्निंग वाक में निकलने वालों की संख्या बढऩे लगी है। वहीं बस्तर संभाग के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों धान की कटाई जारी है, इस बीच सुबह घने कोहरे के साथ ठंड बढऩे से कटाई के काम कुछ देरी से शुरू शो रहा है लेकिन दिन में गर्मी का अहसास बना हुआ है।

अधजली लाश की हुई पहचान जांच में जुटी पुलिस

कोरबा। ग्राम हुंकरा की पहाड़ी से लगे इलाके में मिली अधजली लाश की पहचान उसके साइकिल के माध्यम से हो गई है। मृतक की शिनाख्त कोरबा जिला मुख्यालय में समग्र शिक्षा कार्यालय में पदस्थ एडीपीओ, कटघोरा निवासी के.जी. भारद्वाज के पुत्र अभिषेक के रूप में हुई है। 18 वर्षीय अभिषेक कक्षा 12 वीं का छात्र था। शनिवार की रात कथित तौर पर दोस्त के पास जाने की बात कहकर घर से साइकिल लेकर निकला था। फिर लौटा नहीं। मृतक अभिषेक भारद्वाज का इकलौता पुत्र था। इस घटना ने भारद्वाज परिवार को शोक में डुबा दिया है। परिजनों सहित सहकर्मियों, ग्रामवासियों में शोक व्याप्त है। बता दें कि बीते रविवार सुबह कटघोरा थाना अंतर्गत ग्राम हुंकरा की पहाड़ी के पास एक अज्ञात युवक की अधजली लाश मिली थी। कटघोरा पुलिस को मौके से एक जोड़ी चप्पल व गियर वाली साइकिल मिली। साइकिल पर दुकान का नाम लगा था। जिससे संपर्क पर साइकिल की फ्रेम नम्बर के आधार पर खरीदार का नाम हासिल किया गया।

छठ पूजा के लिए सजने लगे कोरबा के घाट

■ पोकलेन से हो रही घाटों की सफाई

कोरबा। मंगलवार से छठ पूजा की शुरुआत हो जाएगी। चार दिनों तक चलने वाले पर्व की तैयारियां छठ व्रतियों और जिला प्रशासन ने पूरी कर ली है। जिन घाटों पर छठ पूजा होगी उन घाटों की सफाई का काम जोर शोर से चल रहा है। पोकलेन की मदद से घाटों की सफाई की जा रही है। सूर्य देवता की उपासना का ये पर्व 5 नवंबर से शुरु हो रहा है। श्रद्धालु भी पूजा के लिए घाटों की साफ सफाई में जुटे हैं। स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि भी घाटों की साफ सफाई की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। छठ पर्व को लेकर बाजार में भी रौनक है। लोग पूजा पाठ के सामान की खरीदी में जुटे हैं।

5 नवंबर मंगलवार से छठ पूजा की शुरुआत नहाए खाए के साथ होगी। छठ व्रती नहाए खाए के दिन नदी या तालाब में पहले स्नान कर पूजा पाठ करते हैं। पूजा पाठ के बाद वो सात्विक भोजन करते हैं। ये सात्विक भोजन प्रसाद माना जाता है। नहाए खाए के दिन पूरे घर के लोग इसी सात्विक भोजन को प्रसाद के तौर पर ग्रहण करते हैं। नहाए खाए के बाद दूसरे दिन 6 नवंबर बुधवार को छठ व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रखती हैं। शाम को खरना का प्रसाद बनता है। छठ व्रती खरना का प्रसाद ग्रहण करती हैं। छठ व्रती के प्रसाद ग्रहण करने बाद परिवार और आस पड़ोस के लोगों को प्रसाद दिया जाता है। प्रसाद में मुख्य रूप से खीर और रोटी बनाई जाती है।

खरना के बाद अगले दिन 7 नवंबर गुरुवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। सूर्य को अर्घ्य पूजा घाटों पर दिया जाता है। अर्घ्य देने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी पहुंचते हैं। घाटों पर भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए जाते हैं। चौथे और आखिरी दिन 8 नवंबर को उगते सूर्य को छठ व्रती अर्घ्य देंगे। उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठी व्रती घर पर आकर पारन करेंगे। पारन होने के बाद चार दिनों तक चले सूर्य की उपासना का ये पर्व समाप्त हो जाएगा।

छठ पूजा को लेकर मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु या छठ व्रती छठी मईया से मनोकामना करती है वो निश्चित ही पूरी होती है। हिंदू धर्म से सबसे कठिन पर्वों में छठ पर्व की गिनती होती है। छठी मईया की कृपा से छठ पूजा करने वाले भक्तों की मदद खुद छठी मईया ही करती हैं।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किया छठ घाट का निरीक्षण

बलरामपुर रामानुजगंज। बलरामपुर में कृषि मंत्री रामविचार नेताम और भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल ने बलरामपुर स्थित सिंदूर नदी के छठ घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाट की तैयारियों और सुविधाओं का जायजा लिया।

कृषि मंत्री ने कहा कि छठ पूजा एक महत्वपूर्ण पर्व है, जिसमें श्रद्धालु नदी या तालाब के किनारे सूर्य देवता की पूजा करते हैं। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए कि घाट की सफाई और समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल ने भी इस अवसर पर घाट की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य है कि छठ पूजा को लेकर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाएं। भाजपा जिलाध्यक्ष ने स्थानीय कार्यकर्ताओं को इस दिशा में सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया।

निरीक्षण के दौरान कृषि मंत्री ने घाट पर उचित रोशनी, पानी की व्यवस्था और शौचालय जैसी सुविधाओं की

आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं से श्रद्धालुओं का अनुभव बेहतर होगा और वे शांतिपूर्ण तरीके से पूजा अर्चना कर सकेंगे। इस मौके पर स्थानीय नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे, जिन्होंने मंत्री और जिलाध्यक्ष को घाट की स्थिति के बारे में जानकारी दी। कृषि मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार श्रद्धालुओं की जरूरतों का ध्यान रखेगी और छठ पूजा को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी। यह निरीक्षण स्थानीय समुदाय के लिए महत्वपूर्ण है, जिससे छठ पर्व को मनाने में सुगमता और सुविधा मिल सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय सड़क कांग्रेस का अधिवेशन 8 को, गडकरी करेंगे उद्घाटन

रायपुर। प्रदेश में पहली बार भारतीय सड़क कांग्रेस अधिवेशन होने जा रहा है। रायपुर इस 83वें कॉन्फ्रेंस की मेजबानी करेगा। ये कार्यक्रम 8 से 11 नवंबर तक राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में होगा। इसमें केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि होंगे। 5 देशों के कंस्ट्रक्शन एक्सपर्ट होंगे शामिल।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से सीईसी द्वारा नियुक्त प्रेक्षकों ने की मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन

पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले से आज रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा उप-निर्वाचन के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्रीमती जी. रेखा रानी, पुलिस प्रेक्षक श्री करण शर्मा और व्यय प्रेक्षक सुश्री कनुप्रिया दामोर ने मुलाकात की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में हुई इस मुलाकात के दौरान रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा उप-निर्वाचन को निर्बाध, निष्पक्ष, पारदर्शी और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी तथा रायपुर के कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह भी इस दौरान मौजूद थे।

राज्यपाल ने छठ पर्व की दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने छठ पूजा के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने कहा है कि सूर्य उपासना का यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति प्रेम का संदेश देता है। छठ पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं बल्कि आस्था, विश्वास और प्रकृति के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक भी है। यह पर्व हमारे जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का संचार करने का अवसर प्रदान करता है। राज्यपाल ने इस अवसर पर उन्होंने कामना की है कि यह पर्व प्रदेशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा और उमंग का संचार करे। सूर्य देव की कृपा से सभी का जीवन स्वस्थ, समृद्ध और खुशहाल हो।

हाथियों की मौत के मामले में हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया

बिलासपुर। बिजली करंट की चपेट में आने से हाथियों की मौत के मामले को हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई की। सचिव ऊर्जा विभाग और छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर को होगी। दरअसल रायगढ़ के घरघोड़ा वनक्षेत्र में बिजली के करंट की चपेट में आने से हाथियों की मौत हुई थी। अखबार में प्रकाशित खबर का हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया था।

रेडक्रॉस की वार्षिक साधारण सभा की बैठक 13 नवंबर को

कांकेर। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी राज्य शाखा के आदेशानुसार जिला शाखा कांकेर में प्रबंध समिति के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस संबंध में जिला शाखा के सदस्यों की अंतिम रूप से प्रकाशित सूची तैयार हो चुकी है। जिले में पंजीकृत संरक्षण, उप संरक्षक व आजीवन सदस्यों को सूचित किया जाता है, कि कलेक्टर और अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के आदेशानुसार 13 नवंबर को 11 बजे से पीएम नरहरदेव उत्कृष्ट विद्यालय के प्रांगण में साधारण सभा की बैठक का आयोजन किया जाएगा। उक्त बैठक में जिला प्रबंध समिति के गठन की कार्यवाही की जाएगी।

सुन्नी जामा मस्जिद मनेन्द्रगढ़ का चुनाव स्थगित

एमसीबी। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड रायपुर के पत्र क्रमांक 1197/2024 रायपुर 29 अक्टूबर 2024 के तहत सुन्नी जामा मस्जिद हनफिया गौसिया रजाए मुस्तफा कमेटी मनेंद्रगढ़ का 5 नवम्बर 2024 को आयोजित होने वाली चुनाव को निरस्त किये जाने के फलस्वरूप सुन्नी जामा मस्जिद मनेंद्रगढ़ का चुनाव स्थगित किया गया है। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड रायपुर के निर्देशन में मुतवल्ली चुनाव हेतु मार्गदर्शी दिशा निर्देश वक्फ अधिनियम 1995 यथा संशोधित 2013 के तहत पुनः चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ कर सुन्नी जामा मस्जिद हनफिया गौसिया रजाए मुस्तफा मनेंद्रगढ़ का चुनाव सम्पन्न कराया जायेगा। चुनाव की तिथि अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं अध्यक्ष चुनाव समिति द्वारा नियत किये जाने पर पृथक से प्रसारित किया जायेगा।

मतदान दिवस पर 13 नवंबर को अवकाश की घोषणा

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपनिर्वाचन 2024 के तहत 13 नवंबर 2024 दिन बुधवार को मतदान संपन्न होगा। इस दिन भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए आदेश अनुसार निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत स्थित कार्यालयों में मतदान के लिए सार्वजनिक अवकाश तथा सामान्य अवकाश की घोषणा की गई है।

हर बड़ी अपराधिक घटना के पीछे कांग्रेस का हाथ : किरण देव

छत्तीसगढ़ में अशांति फैलाने कांग्रेस कर रही साजिश

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने प्रदेश में बढ़ते अपराध, तनाव और अराजकता के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए कांग्रेस के लोगों की कारगुजारियों को सामने रखा है और कहा है कि एक ओर जहाँ छत्तीसगढ़ प्रदेश अपना राज्योत्सव मना रहा है, वहां बड़े दुख और चिंता के साथ कांग्रेस की कारगुजारियों को आपके बीच रखने की विवशता है। श्री देव ने साफ-साफ लफ्जों में आरोप लगाया कि प्रदेश में जहां भी अपराध और तनाव जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है, उसकी जड़ में कांग्रेस है। कांग्रेस जान-बूझकर छत्तीसगढ़ को आग में झोंकना चाहती है। इसलिए पहले खुद अपराध को अंजाम देती है, षड्यंत्र रचती है और फिर उस मुद्दे पर सरकार को घेरने में उसके बड़े नेता लग जाते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने सोमवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता में स्पष्ट आरोप लगाया कि यह कांग्रेस की राष्ट्रीय स्तर पर तय हुई साज़िश के तहत हो रहा है कि समूचे देश-प्रदेश को अराजकता में धकेल दो, फिर चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करो। भय और आतंक का वातावरण निर्माण करो। इसी साजिश की कड़ी में

छत्तीसगढ़ में भी हर आतंक और अपराध के पीछे कांग्रेस का ही खूनी पंजा है। लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार और छत्तीसगढ़ समेत तमाम राज्यों में हुए सफ़ाए से कांग्रेस अब जनता के प्रति बदले की भावना से भरी हुई है। वह समाज में अशांति फैलाने का काम कर रही है। श्री देव ने कहा कि अभी दामाखेड़ा में कबीरपंथ ही नहीं, समूचे प्रदेश की आस्था के केंद्र पर हमला करने वाला भी कांग्रेस का सक्रिय कार्यकर्ता निकला है। इसका प्रमाण स्वयं प्रकाशमुनि साहब के फेसबुक के पोस्ट में है। प्रकाशमुनि साहेब ने अपने फेसबुक पोस्ट में इस बात का उल्लेख किया है कि इस घटना में भी अपराधी सरपंच पति कांग्रेस पार्टी का ही कार्यकर्ता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि इसी तरह पूरे प्रदेश ने देखा कि बलौदाबाजार में किस तरह योजनाबद्ध तरीके से कलेक्टर और एसपी कार्यालय जलाए गए। इस प्रकरण में कांग्रेस के विधायक देवेंद्र यादव के साथ-साथ कांग्रेसी जेल में बंद हैं। महीनों बाद भी किसी अदालत ने इन्हें जमानत देने लायक भी नहीं पाया है तो समझा जा सकता है कि इनके खिलाफ साक्ष्य कितने मजबूत हैं। श्री देव ने कहा कि इसी तरह सूरजपुर में पुलिस अधिकारी की पत्नी और बच्चे की जघन्य हत्या करने वाला एनएसयूआई का ज़िला महासचिव था तथा एनएसयूआई का जिलाध्यक्ष भी इस घृणित कृत्य में ज़िम्मेदार था। इस घिनौने कृत्य पर भी कांग्रेस उल्टे चोर कोतवाल को डाँटे की तर्ज़ पर राजनीति कर रही थी। सवाल उठता है कि क्या ये अब अपनी गंदी राजनीति चमकाने के लिए नरसंहार आदि को भी प्रायोजित करने से बाज नहीं आ रहे हैं? यह प्रश्न निराधार तो नहीं लगता। अगर ऐसा है, जो कि लग रहा है तो साफ कहा जा सकता है कि कांग्रेस अब राजनीतिक दल से एक संगठित अपराधियों के गिरोह में बदल चुकी है। लोहारीडीह कांड में भी बार-बार गाँव में अशांति फैलाने और दो समूहों को लड़वाने का काम कांग्रेस कर रही है। यदि कांग्रेस नेताओं को पता है कि दोषी और निर्दोष कौन है, तो पुलिस को बता दे या पुलिस को जाँच करने दे।

पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, विधायक मोतीलाल साहू, गुरु खुशवंत साहेब व अनुज शर्मा, शहर जिला भाजपा अध्यक्ष जयंतीभाई पटेल, प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल उपस्थित थे।

बलौदाबाजार हिंसा : विधायक देवेंद्र यादव की फिर बढ़ी न्यायिक रिमांड

बलौदाबाजार। विधायक देवेंद्र यादव की मुश्किलें कम ही नहीं हो रही। बलौदाबाजार हिंसा मामले में जेल में बंद विधायक देवेंद्र यादव आज वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए न्यायालय में पेश हुए। पुलिस ने जांच की बात अभी बाकी कहते हुए पुनः समय मांगा। इस पर न्यायालय ने विधायक देवेंद्र की न्यायिक हिरासत की अवधि 11 नवंबर तक फिर बढ़ाई। बलौदाबाजार हिंसा मामले में भिलाई विधायक देवेंद्र यादव 17 अगस्त से रायपुर के जेल में बंद हैं। अब अगली सुनवाई 11 नवंबर को होगी।

बता दें कि गुरु बाबा घासीदास की तपोभूमि गिरौदपुरी में सतनाम समाज के आस्था के केंद्र अमर गुफा में स्थित महकोनी मंदिर परिसर में आसामाजिक तत्वों ने जमकर तांडव मचाया था। जैतखाम में तोड़फोड़ की घटना से आक्रोशित समाज के लोगों ने सीबीआई जांच की मांग की थी। इस मामले में पुलिस ने संदिग्ध आरोपियों को हिरासत में लिया था। वहीं राज्य सरकार ने पहले ही जैतखंभ तोड़फोड़ की घटना की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए थे। इस घटना को लेकर बलौदाबाजार में हिंसक प्रदर्शन हुआ था। इस मामले में विधायक देवेंद्र यादव समेत सैकड़ों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। विधायक देवेंद्र यादव करीब तीन माह से जेल में हैं।

रायपुर रेलवे स्टेशन के अनारक्षित काउंटर में लंबी लाइन

फिर भी बंद मिले कई टिकट काउंटर

रायपुर। रायपुर रेलवे स्टेशन में इन दिनों यात्रियों की भारी भीड़ देखी जा रही है। त्योहारों में अपने घर आए लोग बड़ी संख्या में अपने गंतव्य स्थान के लिए रवाना हो रहे है। लेकिन उन्हें अनारक्षित टिकट लेने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कारण ये है कि ऐसे भीड़ के वक्त भी रायपुर रेलवे स्टेशन के कई अनारक्षित टिकट काउंटर बंद पड़े हुए है। यही कारण है कि टिकट काउंटर में यात्रियों की लंबी कतारे देखी जा रही है।

वहीं दूसरी तरफ एटीवीएम मशीने तो लगी है, लेकिन यात्रियों में जागरूकता की कमी होने के कारण वहां यात्री टिकट न लेकर लाईन में खड़े हुए नजर आते है। यदि यात्रियों को जागरूक करने के लिहाज से रेलवे वहां कोई फ्लैस या भीड़ के वक्त किसी स्टॉफ की तैनाती कर दे तो यात्रियों को लंबी कतारों में खड़े होकर टिकट लेने से बच जाएंगे।

रायपुर रेलवे स्टेशन में बम मिलने की सूचना! अधिकारियों में मचा हड़कंप

रायपुर रेलवे स्टेशन पर दीवाली और छठ पूजा के चलते यात्रियों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। इस बीच सारनाथ एक्सप्रेस में बम मिलने की सूचना के बाद यात्रियों को उतारा गया। स्टेशन पर सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए जीआरपी, आरपीएफ और सिविल डिफेंस की बड़ी संख्या में मौजूद है।

आज रायपुर रेल्वे स्टेशन में मॉकड्रील किया गया। इस दौरान करीब 50 से अधिक अधिकारी मौके पर तैनात थे, जिन्होंने स्थिति को नियंत्रित करने में मदद की। यात्रियों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए गए और घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा करते समय सतर्क रहें और आपातकालीन स्थितियों में धैर्य बनाए रखें।

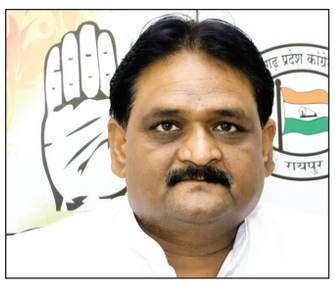

राजधानी में चार दिन में 9 हत्याओं से आम आदमी है डरा सहमा, भाजपा अध्यक्ष बजा रहे ताली : शुक्ला

रायपुर। राजधानी में सरेआम गोलीबारी और रोज हो रही हत्याओं से आम आदमी डरा सहमा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रोज हत्याएं हो रही है, गोलियां चल रही, रायपुर में यह क्या हो रहा है मुख्यमंत्री जी। चार दिन में 9 हत्या, जेल के बाहर सरेआम गोलीबारी कब जागेगी सरकार? अपराधियों के हौसले बुलंद है कि प्रदेश के सबसे संवेदनशील माने जाने वाले सेंट्रल जेल के बाहर दिन दहाड़े एक व्यक्ति को गोली मार दी गयी। अपराधिक तत्व इतने बेखौफ हो गये है कि उनमें पुलिस का भय जरा भी नहीं बचा है। कल ही राजधानी में भाजयुमो के नेता, उसके साथी को चाकू मारकर लूट लिया गया। प्रदेश में जब से भाजपा की सरकार बनी है राजधानी में सरेआम गोलीबारी की पांचवी घटना हुई है। सरकार की नाकामी और पुलिस की लापरवाही का परिणाम है कि प्रदेश की राजधानी असुरक्षित हो चुकी है। दीपावली के दौरान चार दिनों में राजधानी में 9 हत्या हुई, प्रदेश के लगभग सभी शहरों में रोज ही हत्याएं हो रही है।

शुक्ला ने कहा कि सत्ता रूढ़ दल के जिम्मेदार पदों पर बैठे हुये लोग भी खराब कानून व्यवस्था को लेकर चिंतित होने के बजाय सिर्फ सत्ता की मलाई चाटने में व्यस्त है। राजधानी में जेल के सामने जब गोली चल रही थी ठीक उसी समय प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बिगड़ती कानून व्यवस्था पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार का बचाव कर रहे थे, कांग्रेस को कोस रहे थे। बेहद आपत्तिजनक है कि रोज हो रही आपराधिक घटनाओं पर चिंता व्यक्त करने सरकार और पुलिस को ताकीद करने के बजाय भाजपा अध्यक्ष सरकार की विफलता पर ताली बजा रहे है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की रोज-रोज घट रही आपराधिक घटनाओं उन घटनाओं के बाद जनता की प्रतिक्रिया यह बताने के लिये पर्याप्त है। प्रदेश में अराजकता का माहौल है। जनता का सरकार पर से, पुलिस पर से भरोसा उठ गया है।

दक्षिण विधानसभा में कांग्रेस रचेगा नया इतिहास : बैज

अबकी बार हम दक्षिण में नया इतिहास रचेंगे। पूरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के पक्ष में वातावरण बना हुआ है। जनता के आशिर्वाद से यहां से कांग्रेस के प्रत्याशी आकाश शर्मा चुनाव जीतेंगे। दक्षिण विधानसभा का चुनाव में साय सरकार के 11 माह के कुशासन के खिलाफ जनता मतदान करने को तत्पर है। 11 माह में राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था भाजपा की वायदाखिलाफी, सरकार का कुशासन बड़ा चुनावी मुद्दा होगा। कोई सरकार 11 माह के अल्प समय में ही इतनी ज्यादा अलोकप्रिय साबित हो सकती है इसका उदाहरण छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार है। जनता भाजपा सरकार से ऊब चुकी है, अतः जनमानस भाजपा के खिलाफ है। उक्त बातें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहीं। उन्होंने कहा कि रायपुर दक्षिण क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी आकाश शर्मा प्रचंड मतो से चुनाव जीतेंगे।

राज्य उत्सव शुभारंभ के दिन रायपुर में गोलीबारी

शाहरुख गुट ने सेंट्रल जेल के बाहर दागी गोलियां

रायपुर। रायपुर में सोमवार से राज्योत्सव समारोह शुरू हुआ। इस बीच शहर के सेंसिटिव जोन कहे जाने वाले तेलीबांधा थाना क्षेत्र में दिन दहाड़े फायरिंग हुई है। रायपुर सेंट्रल जेल के बाहर गोलीबारी हुई है। रायपुर की तेलीबांधा पुलिस ने बताया कि एक बदमाश अपने भाई से मिलने आया था। वह मुलाकात कर वापस जा रहा था। तभी उसके ऊपर कुछ लोगों ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने यह भी बताया है कि फायरिंग शाहरुख गुट की तरफ से की गई है। पुलिस का दावा है कि फायरिंग करने वाले बदमाशों को जल्द दबोच लिया जाएगा।

इस गोलीबारी में एक बदमाश बुरी तरह घायल हुआ है। उसका नाम शेख साहिल बताया जा रहा है। पुलिस ने शेख साहिल को अपने कब्जे में लिया और उसे इलाज के लिए मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस गोली कांड के आरोपियों की तलाश में पुलिस जुट गई है। ऐसी घटना तब हुई है जब रायपुर में आज से राज्योत्सव के उत्सव का शुभारंभ हो रहा है। बड़े बड़े वीआईपी लोगों का रायपुर में मूवमेंट होने वाला है।

एडिशनल एसपी लखन पटले ने कहा सोमवार को तेलीबांधा एरिया के मेकाहारा के पास फायरिंग की घटना हुई है। इस घटना में बदमाश को तीन लोगों ने गोली मारी है। पुरानी रंजिश के चलते शाहरुख शाहनवाज और एक तीसरे आरोपी ने कट्टे से फायरिंग की है। इसके बाद गंभीर अवस्था में बदमाश शेख साहिल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस की पूछताछ में इन तीनों लोगों के नाम घायल बदमाश शेख साहिल ने बताए हैं। इसके बाद पुलिस तीनों आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

फायरिंग करने वाले लोगों में तीन आरोपी शामिल हैं। जिनमें शाहरुख और शाहनवाज का नाम सामने आ रहा है। यह पहले भी धारा 307 के तहत जेल जा चुके हैं। शाहरुख और शाहनवाज ने जिस बदमाश शेख साहिल को गोली मारी है। वह पहले जेल में था और जमानत पर छूटकर बाहर आया था। वह अपने भाई से मिलने गया था। उसका भाई एनडीपीएस एक्ट के मामले में रायपुर के सेंट्रल जेल में बंद है। जब वह अपने भाई से मिलकर लौट रहा था तभी शाहरुख और शाहनवाज ने उसके उपर कट्टे से फायरिंग कर दी। शेख साहिल के गले में गोली लगी है और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

दामाखेड़ा विवाद पर राजनीति तेज, बैज ने सरकार पर बोला हमला

बलौदाबाजार। दामाखेड़ा गांव में पटाखा फोड़ने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद अब प्रदेश की सियासत का हिस्सा बन चुका है। दिवाली के दौरान कुछ लोगों के बीच पटाखे फोड़ने को लेकर कहासुनी हुई। जो देखते ही देखते एक बड़े विवाद में तब्दील हो गई इस विवाद में ग्रामीणों ने गुरु प्रकाश मुनि नाम साहेब के बेटे उदीतमुनि नाम साहब पर हमला कर दिया।बताया जा रहा है कि दामाखेड़ा स्थित प्रकाशमुनि के आश्रम में ग्रामीणों ने पटाखा से आग लगाने की कोशिश की। जब उन्हें रोकने की कोशिश की गई तो ग्रामीणों ने गुरु पुत्र पर हमला कर दिया।

पुलिस की कार्यवाई से पहले पीसीसी चीफ दीपक बैज , नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत समेत कांग्रेस के कई बड़े दिग्गज नेता दामाखेड़ा पहुंचे थे।जहां उन्होंने कबीर पंथ के गुरु प्रकाश मुनि साहब से मुलाकात की।इसे लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। दीपक बैज ने कहा कि बलौदाबाजार जिले की यह दूसरी बड़ी घटना है। इसके पहले भी बलौदाबाजार में एसपी और कलेक्ट्रेट कार्यालय में शरारती तत्वों ने आग लगा दी थी।

दीपक बैज ने कहा अब कबीर पंथ के धर्म क्षेत्र दामाखेड़ा में शरारती तत्व घरों में घुसकर पटाखे

फोड़ रहे हैं और पत्थरबाजी कर रहे हैं। इससे ये पता चलता है कि प्रदेश में अब कानून नाम की चीज ही नहीं है। हर दूसरे या तीसरे दिन प्रदेश में एक बड़ी घटना हो रही है। गृहमंत्री को तो बर्खास्त कर देना चाहिए। अभी तक प्रशासन मामले की जांच कर रहा है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

वहीं घटना के बारे में उपाध्यक्ष प्रमोद साहू ने कहा कि कबीर पंथ के भविष्य पर हमला हुआ है। जिसे हम स्वीकार नहीं करेंगे। यदि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं हुई तो कबीर पंथी लोग उनके साथ कुछ भी कर सकते हैं। वहीं प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री रविंद्र चौबे, बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा, पूर्व विधायक धनेंद्र साहू, भाटापारा विधायक इंद्र साव, कसडोल विधायक संदीप साहू ने भी दामाखेड़ा का दौरा किया।

दो गुटों में हुई झड़प के बाद अब राजनीतिक गलियारों में इस घटना को लेकर काफी गहमागहमी देखने को मिल रही है। कांग्रेस और बीजेपी इस घटना के लिए एक दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं।वहीं दूसरी ओर स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने मिलकर स्थिति को कंट्रोल में किया है। पुलिस ने इस मामले में 16 आरोपियों को हिरासत में लिया है।

1 नवंबर को जिला बलौदाबाजार भाटापारा के दामाखेड़ा गांव में पटाखा फोड़ने की बात को लेकर विवाद हुआ था।जिसके बाद ग्रामीण इकट्ठा होकर लाठी- डंडा के साथ दामाखेड़ा आश्रम में पहुंचे थे। जहां उन्होंने अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया और पत्थरबाजी की। पुलिस ने इस मामले में 16 आरोपियों को हिरासत में लिया है। (01) दुर्गेश देवांगन, (02) भुवनेश्वर देवांगन, (03) प्रताप साहू, (04) हरि साहू, (05) अजय साहू, (06) राकेश कुमार ध्रुव, (07) चाँद कुमार ध्रुव, (08) आशीष कुमार ध्रुव, (09) रामअवतार ध्रुव, (10) अर्जुन निर्मलकर, (11) देवलाल मोनू वर्मा, (12) पुरन देवांगन, (13) किशन देवांगन, (14) दुजराम देवांगन, (15) ओमप्रकाश देवांगन, (16) एक महिला रेखा देवांगन कुल 16 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।वहीं 1 किशोर बालक के विरुद्ध विधिवत कार्रवाई की गई है।

कोयला घोटाला: निलंबित आईएएस रानू साहू को फिर झटका

हाईकोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

बिलासपुर। कोल लेवी घोटाला मामले में जेल में बंद निलंबित आईएएस रानू साहू को हाईकोर्ट से फिर झटका लगा है। कोर्ट ने उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी है। अब उन्हें जेल में ही रहना होगा। जस्टिस एनके व्यास के सिंगल बेंच ने आज फैसला सुनाया। इससे पहले भी जमानत याचिका खारिज हो चुकी है।

बता दें कि ईडी ने 22 जुलाई 2023 को रानू साहू को गिरफ्तार किया था। कोल घोटाला मामले को लेकर साल 2022 में आयकर विभाग ने सबसे पहले रानू साहू के शासकीय निवास, घर और दफ्तर में छापा मारा था। ईडी ने इस मामले में रानू साहू से लंबे समय तक पूछताछ की। ईडी ने कथित कोल घोटाले को लेकर रानू साहू पर यह आरोप लगाया कि निलंबित ड्रस रानू साहू के द्वारा कोरबा कलेक्टर रहते हुए कोल लेवी मामले में संलिप्तता पाई गई थी। उनकी गिरफ्तारी के बाद लोअर कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी थी। जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी।

जिम्मेदारी से बचने के लिए फारूक अब्दुल्ला ने छोड़ा शगूफा

योगेन्द्र योगी

जम्मू -कश्मीर में सत्तारूढ़ नैशनल कांफ्रैंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बडग़ाम, बांदीपोरा और श्रीनगर में आतंकी घटनाओं को लेकर कहा है कि इसमें उन्हें साजिश की बू आती है। उन्होंने कहा कि क्या कोई एजैंसियां तो नहीं हैं इन हमलों के पीछे, जो उमर अब्दुल्ला सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं। एक ऐसा शख्स, जिसने पूरा जीवन राजनीति के दांवपेच में बिताया और वोट बैंक के भय से खुल कर कभी भी आतंकियों और पाकिस्तान की निंदा नहीं की, वह सवाल उठा रहा है कि आतंकी घटनाओं की जांच हो कि इसमें कोई एजैंसियां तो शामिल नहीं हैं। इतने अनुभवी राजनीतिज्ञ से ऐसे बचकाना बयान की उम्मीद नहीं की जा सकती। क्या अब्दुल्ला को पता नहीं कि ये हमले कौन और क्यों करवा रहा है? इससे पहले इन्हीं अब्दुल्ला ने हमलों के लिए पाकिस्तान पर आरोप लगाया था और यहां तक कहा था कि जम्मू-कश्मीर कभी भी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा। फिर अचानक ऐसा क्या हो गया कि सीनियर अब्दुल्ला को अब इन हमलों में पाकिस्तान के अलावा किसी और पर शक होने लगा है। दरअसल उमर अब्दुल्ला ने जब सत्ता संभाली, तभी पिता-पुत्र को इस बात का बखूबी अंदाजा था कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं को रोकना आसान काम नहीं है। सत्ता में आने से पहले दोनों ने ऐसी वारदातों का ठीकरा केंद्र के सिर फोडऩे में कसर बाकी नहीं रखी। हालांकि केंद्र और जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने इन्हें रोकने के लिए पूरी ताकत लगा रखी है। इस प्रयास में आम नागरिकों के अलावा सैंकड़ों सुरक्षाकर्मी शहीद हो चुके हैं। तब अब्दुल्ला पिता-पुत्र ने यह सवाल नहीं उठाया? इसके विपरीत इन आतंकी घटनाओं को नैशनल कांफ्रैंस की सरकार को अस्थिर करने के चश्मे से देखा जा रहा है। गौरतलब है कि इन्हीं पिता-पुत्र ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद बड़ा हो-हल्ला मचाया था। यहां तक कि हाल ही में हुए जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में नैशनल कांफ्रैंस के चुनावी घोषणा पत्र में इसे वापस लाने का वादा किया गया था। पाकिस्तान भी धारा 370 की बहाली की मांग करता आ रहा है। अब्दुल्ला ने यह मांग दोहरा कर एक तरह से पाकिस्तान की मांग का ही समर्थन किया है। जबकि यह सर्वविदित है कि इस धारा के हटने के बाद से जम्मू-कश्मीर में विकास के कामों में जबरदस्त तेजी आई है। इस पर अब्दुल्ला पिता-पुत्र एक बार भी नहीं बोले। कारण साफ है, उस वक्त जम्मू-कश्मीर में केंद्र का शासन था। अब जब उनकी पार्टी सत्ता में है तो उन्हें आतंकी घटनाओं के पीछे साजिश नजर आ रही है। अब्दुल्ला ने कहा कि आतंकियों को मारने की बजाय जीवित पकडऩा चाहिए, ताकि पता लगाया जा सके कि वे किसके लिए काम करते हैं। फारूक को यह भी बताना चाहिए कि घातक हथियारों से लैस आतंकियों को कौन जीवित पकड़ेगा? अब जम्मू-कश्मीर के लोग इन आतंकी घटनाओं के लिए उमर अब्दुल्ला सरकार पर वही सवाल उठा रहे हैं, जो पूर्व में ये केंद्र सरकार से करते रहे हैं। ऐसे में इनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। सर्वविदित है कि पाकिस्तान की बदनाम खुफिया एजैंसी आई.एस.आई. ये हमले करवा रही है। यह बात फारूक अब्दुल्ला और उनके मुख्यमंत्री पुत्र भी अच्छी तरह से जानते हैं। जम्मू-कश्मीर पर सीमा पार पाकिस्तान में आतंकी कैम्प मौजूद हैं। फारूक अब्दुल्ला भारत की विदेश नीति के मामले में हमेशा से हस्तक्षेप करते रहे हैं। उन्होंने कई बार कहा है कि आतंकवाद और जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को लेकर भारत को पाकिस्तान से वार्ता करनी चाहिए। ऐसे बयानों ने पाकिस्तान के हौसले ही बढ़ाए हैं, जो कई बार भारत से हुई बातचीत के बावजूद सीमा पार से आतंकी भेजने की हरकतों से बाज नहीं आ रहा। पाकिस्तान दबे-छिपे तरीके से कई बार भारत से संबंध बहाल करने का प्रयास कर चुका है, किन्तु भारत की तरफ से उसे हर बार एक ही जवाब मिला है कि आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। फारूक अब्दुल्ला के इस शगूफे के दूसरे निहितार्थ भी हो सकते हैं। अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग कई बार कर चुके हैं, जिससे उमर अब्दुल्ला सरकार को पुलिस प्रशासन की कमान मिल जाएगी। इसके अलावा भी दूसरे अधिकार मिल जाएंगे। सवाल यही है कि जम्मू-कश्मीर में पुलिस और सेना मिलकर भी आतंकवाद पर पूरी तरह काबू नहीं कर पा रहे, तब फारूक सरकार कानून-व्यवस्था कैसे संभाल पाएगी।

रिश्वत जैसी गारंटी की सियासत पर उठते सवाल

कमलेश पांडे

पहले मतदाताओं को रिश्वत जैसी चुनावी गारंटी देने और फिर चुनाव जीत लेने के बाद उसे लागू नहीं करने की वादाखिलाफी एक ऐसा सुलगता हुआ सवाल है, जिसका जवाब लाभुक मांगते हैं, पर वह मिलती नहीं! जबकि ऐसा करके सत्ता में आने वाली सरकारों को शासन से बेदखल कर देना चाहिए और उनकी पार्टी की मान्यता रद्द कर देना चाहिए। ऐसा स्पष्ट प्रावधान यदि नहीं है तो कीजिए। क्योंकि यह विषय सियासत का नहीं, बल्कि मतदाताओं से सीधी धोखाधड़ी का है और ऐसे नेताओं के खिलाफ 420 (परिवर्तित धारा 318) वाला मुकदमा भी चलाया जाना चाहिए।

इस मामले में सत्ता पक्ष व विपक्ष की सांठगांठ के खिलाफ सिविल सोसाइटी, प्रशासन, न्यायपालिका और मीडिया को आगे आना चाहिए। क्योंकि ऐसी वायदाखिलाफी की सियासत पर उठते सवालों का जवाब आखिर कौन देगा, भुक्तभोगी लोग सबसे पूछ रहे हैं। कभी कांग्रेस के दफ्तरों पर पहुंचकर, तो कभी मीडियाकर्मियों के मिलने पर। कभी विभिन्न विचार गोष्ठियों में तो कभी सड़कों पर। इस मामले का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि अब खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी पार्टी के नेताओं को सिर्फ वही चुनावी गारंटी देने के वायदे करने की नसीहत दी है, जिन्हें सत्ता में आने के बाद पूरा किया जा सके!

ऐसा इसलिए कि चुनावी गारंटी पूरे करने के मामले में तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक की कांग्रेसी सरकारें फिसड्डी साबित हुई हैं। इससे कांग्रेस के जनाधार पर भी असर पड़ना स्वाभाविक है। समझा जाता है कि छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान की कांग्रेसी सरकारों के पतन के पीछे कुछ ऐसी ही वादाखिलाफी का हाथ है। यही वजह है कि भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के ही बयान को आधार बनाकर अब कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

आपको पता होगा कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल की मुफ्त बिजली-पानी की सियासत और जनसहुलियत भरी शिक्षा-चिकित्सा व्यवस्था की राजनीति जब दिल्ली से लेकर पंजाब तक हावी होती चली गई तो अपनी सरकारें गंवाने के बाद राहुल गांधी-प्रियंका गांधी ने कांग्रेस की गारंटी के नाम पर लोगों से धड़ाधड़ वायदे किए और खटाखट धन देने की गारंटी दी, लेकिन उनकी राज्य सरकारें उसे पूरी नहीं कर सकीं।

इससे पार्टी की बढ़ती अलोकप्रियता और हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार को महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों में डैमेज कंट्रोल के लिए ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी पार्टी के नेताओं को जो कुछ समीचीन सुझाव दिए, अब उसे ही भाजपा ने चुनावी हथियार बना लिए। क्योंकि लोगों को चुनावी लॉलीपॉप गारंटी देने की विरोधी रही भाजपा ने भले ही आप और कांग्रेस के दबाव में अपनी सत्ता प्राप्ति के लिए मोदी की गारंटी शुरू की और विभिन्न कांग्रेसी व विपक्षी दल शासित राज्यों में शानदार वापसी की, लेकिन अब वह मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान को लेकर जिस तरह से कांग्रेस पर हमलावर है, उसका फलसफा यही है कि अनुकूल मौका मिलते ही भाजपा मोदी की गारंटी वापस ले लेगी। बशर्ते कि पहले वह इसी के सहारे कांग्रेस व आप का सफाया कर ले।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक में आर्थिक संकट की खबरों के बीच नेताओं को वही वादे करने की नसीहत दी है, जिन्हें पूरा किया जा सके। उन्होंने साफ कहा कि उतनी ही गारंटी का वादा करें, जितना दे सकें, नहीं तो सरकार दिवालियापन की कगार पर पहुंच जाएगी। यही वजह है कि कांग्रेस अध्यक्ष के इस बयान पर अब सियासी घमासान मच गया है। केंद्र की सत्ता पर काबिज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की अगुवाई कर रही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने खड़गे के बयान को ही आधार बनाकर कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बाजाप्ता प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने कई चीजों को स्वीकार कर लिया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जो बोला है, वो राहुल गांधी को बताया है क्या? कई चुनाव से खट-खटाखट चल रही घोषणाओं का क्या होगा? जो बोला है, बजट में उसका प्रावधान है कि नहीं? उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि वहां कांग्रेस ने कई वादे किए थे कि ये कर देंगे, वो कर देंगे, पर अब वहां के सीएम कह रहे हैं कि वेतन बाद में ले लेना। वहीं, टॉयलेट पर टैक्स की चर्चा करते हुए कांग्रेस पर घोषणाएं करके जनता को मूर्ख बनाने और किसी योजना को अमल में नहीं लाने का आरोप लगाया।

भाजपा ने कहा कि कर्नाटक में पांच गारंटी की घोषणा की गई थी लेकिन हुआ क्या? हो क्या रहा है वहां? कर्नाटक में अब फ्री बस को रिव्यू करने की बात कही जा रही है! हालांकि भाजपा पर भी कांग्रेस आरोप लगाती आई है कि मोदी ने 2014 में 15 लाख रुपये खाते में आने के सपने दिखाए थे, जो लगभग 11 साल बाद भी नहीं आए। दो करोड़ नौकरियों का वायदा भी सिफर ही रहा। कोरोना के बाद उन्होंने युवाओं को पकौड़े बेचने लायक भी नहीं छोड़ा।जबकि भाजपा का दावा है कि अगर हमने 11 करोड़ किसानों को 6-6 हजार रुपये देने का वादा दिया था तो उसे पूरा किया हमने। बीजेपी जो कहती है, उसे जमीन पर उतारती भी है।

भाजपा नेता कहते हैं कि हम जमीनी हालात देखकर वादे करते हैं और जो वादे करते हैं, उसे डिलीवर भी करते हैं। जबकि खड़गे साहब को जो ज्ञान आया है वह और जल्दी आना चाहिए था। आप राहुल गांधी को वो पाठ पढ़ाएं। भाजपा ने कहा कि झारखंड में जनता की आंखों में धूल झोंकने की बात कही जा रही है। जबकि कांग्रेस पार्टी ने अपने अध्यक्ष के माध्यम से पहली बार हकीकत स्वीकार किया है। लिहाजा मल्लिकार्जुन खड़गे को इस वक्तव्य के बाद देश से माफी मांगनी चाहिए। क्योंकि कांग्रेस ने तेलंगाना और कर्नाटक की जनता की आंखों में धूल झोंका। कांग्रेस की सच्चाई सामने आई है।

वहीं, भाजपा ने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को भी निशाने पर लिया और कहा कि अरविंद केजरीवाल को समझना चाहिए कि दिल्ली की हालत क्या है? वहीं, रविशंकर प्रसाद ने वक्फ के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी और कर्नाटक के विजयपुरा का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि वक्फ के नाम पर किसानों की संपत्ति लूटी जा रही है। कुछ माफिया इसमें शामिल थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये मामला संसदीय कमेटी के सामने है। बात सिर्फ कांग्रेस, आप और भाजपा की नहीं है, बल्कि उत्तर से दक्षिण तक, पूरब से पश्चिम तक एनडीए गठबंधन, इंडिया गठबंधन और अन्य क्षेत्रीय दलों के द्वारा चुनावी वायदाखिलाफी की जा रही है, जिसके खिलाफ सभ्य समाज को आगे आना चाहिए।

ऐसे में सीधा सवाल यही है कि जब राजनीतिक दल खुद से अपने लिए नियम-कानून बनाएंगे और स्वयं को बचाते रहने के लिए विभिन्न कानूनी कमियां छोड़ते रहेंगे, तो फिर उनके खिलाफ कार्रवाई कैसे होगी? इस गम्भीर मुद्दे पर प्रशासनिक और न्यायिक गूंगेपन पर भी सवाल उठना लाजिमी है। लेकिन ऐसा कभी हुआ क्या, यक्ष प्रश्न है। भारत की प्रशासनिक व बाजारू अराजकता समकालीन जनहित के लिए चिंतन का विषय है और इसे दूर करने के लिए सिविल सोसाइटी को आगे आना चाहिए।

ऐसा इसलिए कि किसी भी लोकतंत्र में सियासतदान/नेता तो महज 5-5 वर्षों के लिए आया राम, गया राम की तरह होते हैं, बामुश्किल किसी को 2 या 3 टर्म मिलता है। कुछ सौभाग्यशाली हैं जो 4-5 टर्म रहे। लेकिन प्रशासनिक और न्यायिक सुव्यवस्था चिरस्थायी बनाई जाती है ताकि जनहित सधता रहे! पक्ष व विपक्ष की राजनीति में कभी जनता नहीं पिसे। लेकिन आज देश में अनियंत्रित बाजारवाद हावी है और भ्रष्ट प्रशासन उसे नियंत्रित करने में विफल प्रतीत हो है। इससे जनता हर तरह से पिस रही है। सत्ता पक्ष व विपक्ष के लिए यह कोई मुद्दा ही नहीं है। धनपशुओं की मीडिया में इन मुद्दों पर गूंगी बन चुकी है।

इस नजरिए से भारत की राजनीति अपवाद है। यहां के नियम-कानूनों में इतनी बड़ी-बड़ी कमियां हैं कि जनता बर्बाद हो जाती है, पर नेता-अधिकारी आबाद होते रहते हैं! वो न खेती करते, न किसानी, न सीमा की पहरेदारी करते, न कोई मेहनतकश व्यवसाय, फिर भी उनकी घोषित संपत्ति दिन दूना, रात चौगुनी बढ़ती। कोई चेक एन्ड बैलेंस नहीं! इस स्थिति को बदलने की संवेदनशीलता कई नेताओं ने दिखाई, लेकिन सत्ता मिलते ही हमाम में नंगे हो गए। लोग महसूस करते हैं कि उनके कथित नौकर यानी देश की नौकरशाही और न्यायपालिका, उद्योगपतियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय कोष से %गुलछर्रे% उड़ाती रहती है और इस राह में कोई समझदार नेता या पत्रकार बाधक नहीं बने, इसलिए राजनीति व पत्रकारिता को मूर्खों, स्वार्थी व अराजक तत्वों और यहां तक कि अपराधियों का जमावड़ा बना दिया गया है।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्यायः

गतांक से आगे...

यहाँ इतनी विशेषता और भी दर्शनीय है कि मन्त्रोपदेश से पूर्व विनियोगोपदेश आवश्यक है और विनियोगोपदेश की पूर्णता के लिए ऋषिः देवता-चरित्र-ज्ञान सापेक्ष्य है, इसलिए सर्वप्रथम पुराणों को जान लेले पर ही प्रत्येक व्यक्ति मन्त्रोपदेश का अधिकारी हो सकता है अन्यथा नहीं। इसलिए पुराणों में लिखा है कि-

पुराणं सर्वशास्त्राणां प्रथमं ब्रह्मणा स्मृतम् ।
अनन्तरं च वक्त्रेभ्यो वेदास्तस्य विनिर्गताः ।।

(पद्मपुराण सृष्टिखण्ड अ0 104)- अर्थात् सब शास्त्रों में पहिले पहिले ब्रह्मा जी ने पुराण का स्मरण किया था, इसके अनन्तर ही उनके मुखों से वेद निर्गत हुवे। उपर्युक्त आशय के श्लोक वायुपुराण ब्रह्माण्डपुराण आदि ग्रन्थों में भी मिलते हैं। यह स्वाभाविक बात है कि प्रत्येक शिल्पी अमुक वस्तु के निर्माण से पूर्ण उसकी पूर्वदृष्ट या पूर्वश्रुत कल्पना को हृदयङ्गम करके ही उसके निर्माण में प्रवृत्त होता है। अपूर्व किंवा अलौकिक अभिनव कृति के मूल में भी इसी प्रकार की तत्सम कल्पना का ही समावेश अनिवार्यता से रहता है।

जैसे वर्तमान वायुयानों के निर्माण में पक्षियों की बनावट की कल्पना और चिमटे, कड़छी, सण्डासी हथौड़ी आदि के निर्माण में पक्षियों के चञ्चुपुट, मानव- हस्तान्जलि, अर्धचन्द्र, तथा मुक्के की सादृश्यता का प्रत्यक्ष समावेश दिखाई पड़ता है; ठीक इसी प्रकार ब्रह्माण्ड के महाशिल्पी श्री ब्रह्मा जी महाराज भी पूर्वकल्पों के ब्रह्माण्डों का स्मरण करके तदनुसार ही पुनः ब्रह्माण्ड रचना में प्रवृत्त होते हैं। यह रहस्य यथापूर्वमकल्पयत आदि वेद मन्त्रों से अनुप्राणित है। कहने का तात्पर्य यह है कि जब तक यथापूर्व का स्मरण न हो जाय तब तक अकल्पयत का अवसर नहीं आता।

क्रमशः ...

विश्व सुनामी जागरूकता दिवस

शौर्य पुंज

विश्व सुनामी जागरूकता दिवस हर साल 5 नवंबर को मनाया जाता है। यह दिवस इस उद्देश्य से मनाया जाता है कि भविष्य में आने वाली आपदाओं को लेकर हम तैयारी कर सकें ताकि ज्यादा से ज्यादा जिंदगियां बचाई जा सकें। यह दिवस सुनामी के बारे में जागरूकता के प्रचार-प्रसार को बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

सुनामी दिवस के दिन सभी को सुनामी से होने वाले खतरों और बचाओ के बारे में बताया जाता है। इस दिन प्राकृतिक आपदा सुनामी के बारे में लोगों को जागरूक किया जाता है और ऐसे स्थिति से निपटने के बारे में जानकारी दिया जाता है। विश्व में ऐसे कई देश हैं जो हर साल सुनामी की मार झेलते हैं।

विश्व सुनामी जागरूकता दिवस सुनामी के खतरों को कम करने और सामुदायिक तैयारी को बढ़ाने के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

पहला विश्व सुनामी जागरूकता दिवस 05 नवंबर 2016 को पुरे विश्वभर में मनाया गया था। यह जागरूकता दिवस आपदा जोखिम न्यूनीकरण साल 2016 के एशियाई मंत्रिस्तरीय सम्मेलन तथा संयुक्त राष्ट्र के आपदा जोखिम न्यूनीकरण के आपसी सहयोग से नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

22 दिसंबर 2015 को संयुक्त राष्ट्र महासभा की घोषणा के बाद विश्व सुनामी दिवस पहली बार आधिकारिक तौर पर 5 नवंबर 2016 को मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस प्राकृतिक आपदा के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उत्पाद विचारों को साझा करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय निकायों में सभी देशों को बुलाया।

सुनामी आम तौर पर पानी के अंदर की गड़बड़ी के परिणामस्वरूप होती है, जिसमें भूकंप, ज्वालामुखी विस्फोट, भूस्खलन और यहां तक कि अलौकिक टकराव भी शामिल हैं। सुनामी लहरें अक्सर पानी की ऊंची दीवारों जैसी होती हैं। वे समुद्र तट पर हमला कर सकते हैं और 5 से 60 मिनट के अंतराल पर लहरों के साथ घंटों तक खतरनाक बने रह सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि पहली लहर सबसे विनाशकारी नहीं हो सकती है।

भूकंप से उत्पन्न सुनामी

सबडक्शन जोनः अधिकांश सुनामी भूकंप सबडक्शन जोन में आते हैं, जहां एक टेक्टोनिक प्लेट दूसरे के नीचे डूब जाती है।

सुनामी उत्पन्न होने की शर्तें: सुनामी उत्पन्न करने के लिए भूकंप के लिए चार प्रमुख शर्तें पूरी होनी चाहिएः यह समुद्र के नीचे या उसके निकट होना चाहिए, पर्याप्त तीव्रता का होना चाहिए (रिक्टर स्केल पर कम से कम 6.5), पृथ्वी की सतह को तोड़ना, और ऊर्ध्वाधर कारण होना चाहिए समुद्र तल की हलचल।

तटीय भूस्खलनः तटीय भूस्खलन बड़ी मात्रा में पानी को समुद्र में विस्थापित कर सकता है, जिससे सुनामी उत्पन्न हो सकती है।

बीआरआई से ब्राजील के मोहभंग के मायने

केएस तोमर

महाशक्ति देश के रूप में अमेरिका की जगह लेने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना के तहत चीन ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के जरिये 2024 तक 150 से अधिक देशों में करीब 10 खरब डॉलर का निवेश किया है, जिसका उद्देश्य एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अन्य जगहों पर बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी का विकास करके वैश्विक व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ाना है। ऐसे में ब्राजील का फैसला बुनियादी ढांचे और आर्थिक प्रभाव की वैश्विक भू-राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। सबसे बड़ी लैटिन अमेरिकी अर्थव्यवस्थाओं में से एक ब्राजील का बीआरआई से मोहभंग संभावित संदेह और विकासशील देशों में चीनी निवेश के प्रति बदलते दृष्टिकोण का संकेत है।

भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं के कारण बीआरआई का विरोध करता है। बीआरआई की बुनियादी ढांचा परियोजनाएं भारत के पड़ोस में चीन के प्रभाव को भी बढ़ाती हैं, जिससे दक्षिण एशिया, हिंद महासागर और उससे आगे तक इसकी रणनीतिक पहुंच बढ़ती है, जो संभावित रूप से भारत को घेरती है। बीआरआई के तहत बनाए गए प्रमुख बंदरगाहों और राजमार्गों पर चीनी सैन्य उपस्थिति में वृद्धि भारत के क्षेत्रीय प्रभुत्व को खतरे में डालती है और सुरक्षा जोखिम को बढ़ाती है। इसके अलावा, बीआरआई की ऋण-जाल कूटनीति पड़ोसी देशों के बीच आर्थिक निर्भरता की आशंका पैदा करती है, जिससे भारत का क्षेत्रीय प्रभाव और सुरक्षा कमजोर होती है।

विश्व बैंक ने अपने विश्लेषण में बीआरआई के भागीदार देशों में बढ़ते कर्ज के बोझ, परियोजनाओं में देरी और अस्थिर वित्तीय मॉडल की ओर इशारा किया है। बीआरआई को कई देशों में विफलताओं का सामना करना पड़ा है, जिनमें श्रीलंका और

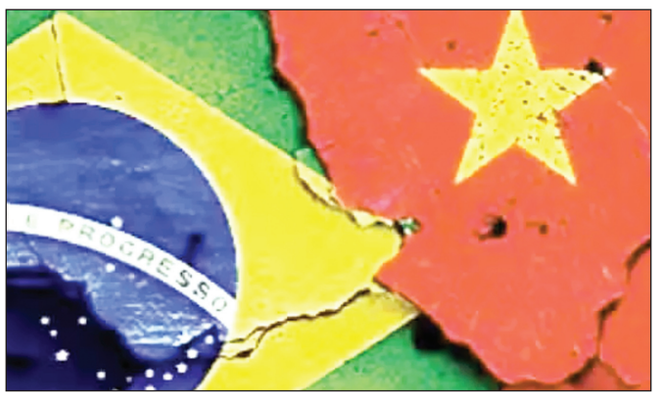

पाकिस्तान शामिल हैं, जो कर्ज चुकाने और चीनी-वित्तपोषित परियोजनाओं के चलते आर्थिक तनाव से जूझ रहे हैं। सीमित स्थानीय लाभ, भू-राजनीतिक चिंताएं और चीनी कंपनियों पर निर्भरता जैसे मुद्दों ने देशों को पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सुधारों के बिना, बीआरआई में कम लाभ और भागीदार देशों में संदेह बढ़ने का जोखिम है, जिससे इसकी दीर्घकालिक व्यवहार्यता को खतरा है। वर्ष 2019 में इसमें शामिल होने वाला इटली आर्थिक लाभ की उम्मीद कर रहा था, लेकिन वह साकार नहीं हुआ, क्योंकि चीन को इतालवी निर्यात ठहर गया, जबकि चीनी आयात बढ़ गया। अब इटली भी बीआरआई से बाहर निकलने की तैयारी कर रहा है।

दक्षिण एशिया में पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे शुरुआती बीआरआई साझेदार भी पीछे हट रहे हैं। ये बदलाव बीआरआई की वित्तीय और रणनीतिक लागतों के बारे में बढ़ते संदेह को दर्शाते हैं, क्योंकि राष्ट्र अपनी अर्थव्यवस्थाओं पर चीन के प्रभाव को लेकर तेजी से सतर्क हो रहे हैं। बीआरआई ने विशेष रूप से दक्षिण एशिया, अफ्रीका और पूर्वी यूरोप जैसे क्षेत्रों में ऋण स्थिरता और भू-राजनीतिक प्रभाव के बारे में चिंताएं पैदा की हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्राजील का बीआरआई से अलग होना पश्चिमी शक्तियों, विशेष रूप से अमेरिका के साथ उसके रणनीतिक पुनर्गठन के साथ-साथ ऋण निर्भरता और भू-राजनीतिक प्रभाव को लेकर चिंताओं से उपजा है। राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने चीन पर बहुत अधिक निर्भर रहने के बजाय विविध निवेश स्रोतों की ओर अधिक झुकाव दिखाया है, क्योंकि उन्हें डर है कि बीआरआई भागीदारी ब्राजील के अपने प्रमुख संसाधनों पर संप्रभुता को सीमित कर सकती है। उनकी विदेश नीति अब बहुपक्षवाद और क्षेत्रीय सहयोग पर जोर देती है, जो चीन के प्रति उसके सतर्क दृष्टिकोण को उजागर करती है।

इसके अलावा, पर्यावरणीय कारणों ने भी इसमें भूमिका निभाई होगी। ब्राजील के नीति निर्माताओं और पर्यावरणविदों का तर्क है कि बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित कर सकती हैं, खासकर अमेजन में। ब्राजील सतत विकास के लिए जोर दे रहा है, और उसे चिंता है कि बीआरआई के तहत परियोजनाएं कड़े पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं कर सकती हैं।

बीआरआई सहायता पर निर्भर विकासशील देशों के लिए ब्राजील का फैसला चीन के साथ साझेदारी के मूल्यांकन के लिए मिसाल बन सकता है। बीआरआई ऋण से दबे देश अपनी वित्तीय संप्रभुता को जोखिम में डाले बिना ऋण चुकाने की अपनी क्षमता के बारे में चिंतित हैं। ब्राजील के निर्णय से यह साफ है कि उनके पास विविध वित्तपोषण स्रोतों की तलाश का विकल्प है, संभवतः पश्चिमी सहयोगियों से कम ब्याज दर वाले ऋण, अनुदान और बिना शर्त तकनीकी सहायता। ऋण के बोझ से दबे देश फिर से शर्तों पर बातचीत कर सकते हैं या अधिक संतुलित रुख अपना सकते हैं, जिसमें पश्चिमी, जापानी या विश्व बैंक या एशियाई विकास बैंक जैसे बहुपक्षीय निवेश स्रोत शामिल हैं। इससे चीन पर निर्भरता कम हो सकती है और यह भी सुनिश्चित हो सकता है कि बुनियादी ढांचे का विकास पटरी पर बना रहे।

ब्राजील के इस कदम से जिन देशों ने शुरू में उत्साह के साथ बीआरआई में भाग लिया था, वे अधिक सतर्क दृष्टिकोण अपनाने या अपने दीर्घकालिक हितों के लिए अधिक अनुकूल शर्तों पर बातचीत करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। इसके जवाब में चीन और भी देशों को रोकने के लिए अधिक उदार शर्तों की पेशकश कर सकता है या देशों की विशिष्ट विकासात्मक जरूरतों के लिए परियोजनाओं को तैयार कर सकता है। यदि अधिक देश ब्राजील के उदाहरण का अनुसरण करते हैं, तो चीन को संभवतः बीआरआई को कम करने या वैश्विक चिंताओं को देखते हुए इसे अधिक पारदर्शी बनाने की आवश्यकता हो सकती है। चीन ने पहले ही कुछ अनुकूलनशीलता दिखाई है और बीआरआई 2.0 चरण की शुरुआत की है, जो पर्यावरणीय प्रभाव और ऋण जोखिमों पर आलोचनाओं के जवाब में टिकाऊ और हरित विकास पर केंद्रित है।

ब्राजील के बीआरआई से बाहर निकलने से अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य पश्चिमी सहयोगियों के नेतृत्व में वैकल्पिक बुनियादी ढांचे के रूप में निवेश पहलों के लिए रास्ता खुल सकता है। ऐसे विश्व में, जहां भू-राजनीतिक गठबंधन लगातार बदल रहे हैं, ब्राजील का निर्णय वैश्विक बुनियादी ढांचे की दौड़ में एक नए चरण की शुरुआत कर सकता है, जो एकतरफा महत्वाकांक्षाओं की तुलना में राष्ट्रीय हितों और सतत विकास को प्राथमिकता देता है।

आज का इतिहास

1940 उत्तरी अटलांटिक सागर के पानी में जर्मनों ने दो अलग-अलग जहाजों को नष्ट कर दिया। जहाजों में से एक ब्रिटिश यात्री जहाज था और दूसरा एक मालवाहक था।
1943 द्वितीय विश्व युद्ध-एक अज्ञात विमान ने वेटिकन सिटी पर चार बम गिराए, जिससे युद्ध के दौरान तटस्थता बनी रही।
1944 फ्रांस के चिकित्सक, जीव वैज्ञानिक और दार्शनिक डॉक्टर एलेक्सेस कार्ल का निधन हुआ।
1950 कोरियन वॉर-द 27 वीं ब्रिटिश कॉमनवेल्थ ब्रिगेड ने पाकचोन की लड़ाई में पाक के माध्यम से चीनी ब्रेक-इन को रोकने में कामयाबी हासिल की।
1953 एक रहस्योद्घाटन के अनुसार, इजरायल और अरब राज्यों को पहले से ही आगाह किया गया था कि संयुक्त राज्य अमेरिका आर्थिक रूप से हमेशा के लिए मध्य पूर्व का समर्थन नहीं कर सकता है। इस बोझ का कारण मुख्य रूप से जॉर्डन नदी के निर्माण की योजना, और 800,000 इज़राइली शरणार्थियों की सहायता करना था।
1967 लंदन जाने वाली एक कम्यूटर एक्सप्रेस ट्रेन या तो ग्रीन की पटरी से उतर गई जिससे 53 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए।
1967 लंदन में होरे ग्रीन रखरखाव डिपो के पास एक ट्रेन पटरी से उतर गई, जिसमें 49 लोग मारे गए और 78 अन्य घायल हो गए।
1976 सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया।
1981 मधुमेह वाले रोगियों के रक्त शर्करा के स्तर को मापने के लिए पहला पोर्टेबल मीटर ग्लूकोमीटर बाजार में उतारा गया।
1983 नॉर्थ सी के नॉर्वेजियन सेक्टर में फ्रिग्गस फील्ड में ड्रिल करते समय ब्यॉफोर्ड डॉल्फिन सेमी-सबमर्सिबल ऑयल रिग्वेयर पर पांच श्रमिकों की एक विस्फोटक विघटन में मौत हो गई।
1990 अल्ट्रा-जिओनिस्ट रब्बी मीर कहाने की हत्या न्यूयॉर्क के एक होटल में एक अरब बंदूकधारी द्वारा की गई थी।
1991 संयुक्त राज्य अमेरिका के सीनेट रॉबर्ट गेट्स को केंद्रीय खुफिया विभाग के निदेशक के रूप में नियुक्ति किया।
1995 आंद्रे डलायर की हत्या करने की कोशिश में नाकाम कर दिया गया था कि काकानियान के प्रधानमंत्री जीन चेरेतिन ने जब चेरेतिन की पत्नी ने थेड्रू को बंद कर दिया।
2003 अमेरिकी सीरियल किलर गैरी रिडग्वे ने 48 काउंटॉफ फर्स्ट डिग्री मर्डर का दोषी माना।

डबल इंजन की सरकार में आगे बढ़ता मध्यप्रदेश

सुरेश पचौरी

हम मध्यप्रदेश का 69 वां स्थापना दिवस मना रहे हैं। भारत का हृदय कहा जाने वाला मध्यप्रदेश 1 नवम्बर 1956 को अस्तित्व में आया, जिसका गठन तत्कालीन मध्यभारत, विंध्य प्रदेश, भोपाल रियासत तथा महाकौशल के कुछ हिस्से को एकीकृत कर किया गया था। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर तथा झीलों की नगरी कहे जाने वाले भोपाल को प्रदेश की राजधानी बनाया गया। 44 वर्षों के बाद प्रदेश का विभाजन हुआ और जनता की मांग पर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा नए राज्य छत्तीसगढ़ का गठन किया गया।

अतीत पर नजर डाली जाए तो मध्यप्रदेश ने अपने गठन और विभाजन के दौर में अनेक उतार- चढ़ाव देखे हैं लेकिन अब यह राज्य प्रगति के नये सोपान नाप रहा है। डबल इंजन की सरकार इस राज्य की तस्वीर और तकदीर बदलने की दिशा में शिद्दत से लगी हुई है। प्रदेश की जनता की खुशहाली और समरस विकास के लिए तमाम जनहितैषी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जो इस बात की गवाह हैं कि मध्यप्रदेश आने वाले दिनों में सर्वश्रेष्ठ राज्य के रूप में अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहेगा। इस विकासोन्मुखी अभियान में जहां एक ओर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सुस्पष्ट व दूरगामी सोच है, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली मध्यप्रदेश सरकार की प्रदेशवासियों की सेवा करने की प्रतिबद्धता है।

मध्यप्रदेश के इतिहास, भूगोल और संस्कृति पर दृष्टिपात करें तो यह राज्य अनेक विविधताओं को अपने में समेटे हुए है। प्रचुर वन संपदा, अथाह जलराशि वाली नदियां, विपुल खनिज भंडार, खूबसूरत पर्यटन स्थल, पुरातात्विक धरोहर आदि सब कुछ तो उपलब्ध है इस प्रदेश में। नर्मदा घाटी में मिले साक्ष्यों से स्पष्ट है कि इस अंचल में अनेक सभ्यताएं पुष्पित एवं पल्लवित हुई हैं। धार्मिक नगरी उज्जैन में भगवान महाकाल का विश्व प्रसिद्ध मंदिर है तो ओरछा में राम राजा विराजमान हैं। चित्रकूट की महिमा तो अवर्णनीय हैं। यहीं गोस्वामी तुलसीदास जी ने भगवान श्री राम के दर्शन किए थे। क्षिप्रा के तट पर संदीपनी आश्रम में श्रीकृष्ण और उनके सखा सुदामा ने शिक्षा प्राप्त की थी। राजा विक्रमादित्य, महाकवि कालिदास, राजा भोज एवं संत सिंगाजी की जन्मभूमि तथा कर्मभूमि होने का सौभाग्य मध्यप्रदेश को ही प्राप्त है। साँची में विश्व प्रसिद्ध बौद्ध स्तूप हैं तो सोनागिरी में प्रसिद्ध जैन मंदिर। खजुराहो में तो पूरी दुनिया से पर्यटक आते हैं।

नर्मदा, सोन, चंबल, बेतवा, केन, ताप्ती, पेंच, पार्वती, बेनगंगा, रेवा तथा माही आदि नदियों के उद्गम स्थल यहीं पर हैं। ये नदियां प्रदेश की चारों दिशाओं में प्रवाहित होती हैं। नर्मदा को तो मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी माना जाता है। प्रदेश के एक तिहाई भूभाग के निवासियों को नर्मदा आर्थिक रूप से संपन्न बनाती है। नर्मदा नदी पर निर्मित सरदार सरोवर, इंदिरासागर और ओंकारेश्वर

परियोजनाओं से प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के द्वार खुल गये हैं। भारतीय जनता पार्टी की सरकार के शासन काल में नर्मदा को क्षिप्रा से जोड़ा जा चुका है। केन को बेतवा से जोड़ने की पहल जारी है।

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशा- निर्देशन में म.प्र. तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। केन्द्र सरकार की प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन और उनका लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाने में म.प्र. देश में लगातार अग्रणी बना हुआ है। पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीएम आवास योजना, कृषि अवसंरचना निधि, प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना, पीएम स्वामित्व योजना, नशामुक्त भारत अभियान, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन और स्वच्छ भारत मिशन आदि योजनाओं के क्रियान्वयन में म.प्र. देश में सबसे आगे है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में मध्यप्रदेश में 8 लाख 20 हजार 575 आवास बनाए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में प्रदेश में 36 लाख 25 हजार 20 आवासों का निर्माण किया जा चुका है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत म.प्र. में 72 हजार 965 किलोमीटर लंबी सड़कें बन चुकी हैं। किसान क्रेडिट कार्ड योजना में 65 लाख 83 हजार 726 किसानों के क्रेडिट कार्ड तैयार हो गए हैं। अटल पेंशन योजना में 26 लाख 15 हजार (शत प्रतिशत) हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है। पीएम स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में म.प्र. देश में पहले नम्बर पर है।

यह एक सुखद पक्ष है कि मध्यप्रदेश सरकार की दूरगामी सोच के चलते कृषि क्षेत्र में उन्नति, औद्योगिक विकास, आईटी एवं पर्यटन में बढ़ते सेवा-क्षेत्रों से राज्य के आर्थिक विकास को मजबूती मिल रही है। वर्ष 2023-24 का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जी.एस.डी.पी.) 13,63,327 करोड़ है, जो पिछले वर्ष (2022-23) की तुलना में 9.37 प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रदेश में प्रति व्यक्ति की आय 1,42,562 रुपये हो गयी है, जो आधार वर्ष (2011-12) की तुलना में चार गुना अधिक है। म.प्र. की कृषि विकास दर देश के अन्य राज्यों की तुलना में काफी अधिक है। म.प्र. से पिछले वर्ष 21 लाख टन गेहूं निर्यात हुआ, जो पूरे देश के गेहूं निर्यात का 45 प्रतिशत है। म.प्र. गेहूं निर्यात के मामले में देश में नम्बर एक पर है। इसी प्रकार 2023-24 में प्रदेश में 201.22 लाख टन दूध का उत्पादन हुआ, जिससे मध्यप्रदेश देश में दुग्ध उत्पादन में तीसरे नम्बर पर है।यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा मुख्य मंत्री किसान योजना के तहत प्रदेश के 81 लाख से अधिक किसानों के खाते में 1624 करोड़ रुपए की सहायता राशि का अंतरण किया ।

मध्यप्रदेश में बिजली की बात की जाए तो विद्युत उत्पादन की स्थापित क्षमता 28774 मेगावाट है, जिसमें 22328 मेगावाट बिजली पारंपरिक स्रोत से तथा 5638 मेगावाट नवकरणीय ऊर्जा स्रोत से उत्पादित हो रही है। प्रदेश में कृषि और उद्योगों को जरूरत के हिसाब से पर्याप्त बिजली मिल रही है।

मध्यप्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार विस्तार कर रही है। प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना में 4 करोड़ 2 लाख 22 हजार 893 हितग्रहियों को डिजिटल आयुष्मान कार्ड जारी किये जा चुके हैं। आयुष्मान भारत योजना में सरकार प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपए तक अस्पताल में भर्ती व्यय प्रदान करती है। आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन में म.प्र. देश का प्रथम राज्य बन चुका है।

मध्यप्रदेश में बेटी अब बोझ न होकर वरदान बन गयी है। प्रदेश की महिलाओं के कल्याणार्थ राज्य सरकार द्वारा तमाम योजनाएं चलाई जा रही हैं। लाड़ली बहना, लाड़ली लक्ष्मी, कन्यादान योजनाओं द्वारा महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ठोस कदम है। इन लाभकारी योजनाओं का अनुसरण देश के कई राज्यों ने किया है। इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से महिलाओं के स्वास्थ्य व पोषण स्तर में सुधार आया है। म.प्र में लाड़ली बहना योजना के तहत 1.29 करोड़ महिलाओं को प्रतिमाह 1250 रुपए दिये जा रहे हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना में बालिका के जन्म के समय 1.43 लाख रुपयों का आश्वासन प्रमाण पत्र दिया जाता है। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से प्रदेश में सामूहिक विवाह प्रथा आरंभ हुई है। इस योजना में प्रदेश सरकार नवविवाहितों को आर्थिक सहायता देती है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत बेटियों को हायर सेकण्डरी तक नि:शुल्क शिक्षा का प्रावधान है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि म.प्र. अपार संभावनाओं वाला प्रदेश है। इसमें समृद्ध राज्य बनने की क्षमता तथा संसाधन दोनों मौजूद हैं। प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लेने की जरूरत है। मध्यप्रदेश के निवासियों के लिए यह गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मध्यप्रदेश से आत्मीय लगाव है। उम्मीद की जानी चाहिए कि यशस्वी प्रधानमंत्री जी के दिशा निर्देशन में मध्यप्रदेश विकास की तीव्र उड़ान भरेगा। मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में हमें भी अपनी जिम्मेदारी एवं सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। यही वक्त का तकाजा है।

योगी-अखिलेश के लिए प्रतिष्ठा का सवाल!

श्याम यादव

उत्तर प्रदेश में इस माह में होने जा रहे 9 विधानसभाओ के उपचुनाव के परिणामों का असर ना तो उत्तर प्रदेश की राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पर पड़ने वाला है और ना ही लोकसभा की नरेन्द्र मोदी सरकार पर ।फिर भी इन उपचुनाव को भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी दोनों ने ही अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है। कारण भी है कि इन चुनावों में कांग्रेस मैदान में नहीं है और मुकाबला बीजेपी और सामाजवादी पार्टी में है। 13 नवंबर को जिन सीटों पर चुनाव होना हैं, वहां भाजपा ने 9 में से 8 सीटों पर अपने प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है जबकि एक सीट एनडीए की सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) को दी गयी है। इस मुकाबले में इस बार भाजपा के सामने कांग्रेस नहीं है और उसका मुकाबला समाजवादी पार्टी से ही हो रहा है। दरसल लोकसभा 2024 के मुकाबले में समाजवादी पार्टी, इण्डिया गठबंधन के साथ मिल कर चुनाव लड़ी थी और अकेले 37 सीट जीतने वाली समाजवादी पार्टी और उसके नेता अखिलेश यादव इन विधानसभा के उपचुनाव को 2027 के चुनाव का ट्रायल मान कर मैदान में उतारे हैं। चूँकि गठबंधन के प्रमुख घटक दल कांग्रेस ने इन चुनावों में समाजवादी पार्टी का समर्थन किया है तो इन सीटों की जीत हार का सेहरा भी सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सिर ही बंधेंगा! ऐसे में सपा प्रमुख अखिलेश यादव नहीं चाहते होंगे कि भविष्य में भाजपा के खिलाफ बनने वाले इंडिया गठबंधन में उनकी स्थिति (हरियाणा में हुई हार के बाद) भी कांग्रेस जैसी हो जाय। इस कारण ये उपचुनाव न उनकी प्रतिष्ठा का सवाल बने हुए है। दूसरी ओर लोकसभा चुनाव में राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार के रहते गत लोकसभा से भी कम सीटों मिलने के दंश से उभरने के लिए ये उपचुनाव योगी आदित्यनाथ के लिए एक अवसर के समान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस अवसर को (इन चुनावों का परिणाम) अपने पक्ष में कर, अपना रसूख सरकार और पार्टी में बनाये रखने में कोई कसर छोड़ेंगे ऐसा लगता नहीं है। जिन 9 सीटों पर उप चुनाव हो रहे हैं उनमें 4 पर सपा, 5 एनडीए ने जीती थी। योगी आदित्यनाथ अपनी पांचो सीट जीतने के साथ ही समाजवादी पार्टी की 4 सीटें भी भाजपा की झोली में लाने के प्रयास में साम दाम दंड भेद का उपयोग करने से नहीं हिचकिचाएंगे। यदि योगी आदित्यनाथ ऐसा करने में सफल हो जाते हैं तो वे अपने विरोध में उठने वाले हर उस स्वर को दबा देंगे जो लोकसभा के चुनाव में आशा अनुरूप सफलता न मिलने पर उठे थे। इसके दूसरा असर योगी आदित्यनाथ की उस छवि को और अधिक निखार देगा, जो इन दिनों प्रखर हिंदूवादी, फायरब्रांड नेता की बन रही है और दबी जबान योगी को प्रधानमंत्री मोदी का विकल्प बताया जा रहा है। क्योंकि अब योगी आदित्यनाथ केवल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ही नहीं रहे वे अब भाजपा के राष्ट्रीय प्रचारक होने के हिंदुत्व वादी राजनेता बन कर उभरे है जो यूपी के अलावा अन्य राज्यों में भी प्रचार कर रहे हैं। हाल ही में महाराष्ट्र चुनाव में उनका कटेंगे तो बटेंगे का बयान सियासी हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। यही कारण है कि भाजपा इन 9 विधानसभा सीटो को अपने लिए प्रतिष्ठा का मुद्दा बनाये हुए है और सामाजवादी पार्टी की परपरागत सीट करहल पर अखिलेश यादव के परिवार के सदस्य कोही उनके खिलाफ मैदान में उतार कर यादव वोटों को विभाजित करने और 22 साल से सपा के कब्जे वाली सीट पर दांव खेला है। कुल मिला कर इन उपचुनाव में कांग्रेस के न होने का कितना फायदा समाजवादी पार्टी या भाजपा को मिलता है यह परिणाम के बाद ही पता चलेगा लेकिन इतना तो तय है ये उप चुनाव दोनों ही दल और दोनों ही नेताओं योगी और अखिलेश के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बने हुए है।

निर्वाचित लोकतंत्र की परीक्षा

अश्वनी कुमार

कभी न खत्म होने वाले 'लोकतंत्र के उत्सव' में, पंजाब विधानसभा के लिए चार उपचुनावों सहित चुनावों के एक और दौर की घोषणा की गई है। स्पष्ट रूप से, भगवंत मान सरकार के लिए इन चुनावों में बहुत कुछ दांव पर लगा है। हरियाणा में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उपचुनावों में चुनावी हार सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्त्ताओं का मनोबल गिरा सकती है और इसके भविष्य को लेकर संदेह पैदा कर सकती है। इसलिए, सरकार की तत्काल चुनौती कांग्रेस और भाजपा से कड़ी चुनौती के बीच उपचुनाव जीतकर राज्य में अपना राजनीतिक प्रभुत्व प्रर्दशित करना है। इसकी असली परीक्षा सरकार के वर्तमान कार्यकाल के अंत में होगी, जब इसके प्रदर्शन का मूल्यांकन इस कसौटी पर किया जाएगा कि क्या इसने अपनी नीतियों और प्रदर्शन से लोगों की स्वेच्छा से निष्ठा अर्जित की है।

वर्तमान में, गुरुओं और पांच नदियों की भूमि, जिसे भारत का अन्न भंडार और राष्ट्र की खड्ग भुजा कहा जाता है, अपने लोगों को संकट में पाती है। गरीबी और उसके कारण सम्मान की हानि, नशीली दवाओं की लत, ढहते सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और अमानवीय आर्थिक असमानताओं से बढ़ते सामाजिक विभाजन ने पंजाब की आत्मा को दागदार कर दिया है। कट्टरपंथ, राजनीतिक ड्क्षहसा, गुंडागर्दी, सरकार और प्रमुख कृषक समुदाय के बीच लगातार टकराव और भ्रामक भविष्य की तलाश में बेरोजगार युवाओं के बड़े पैमाने पर विदेश जाने की समस्या से निपटने के लिए कम कर्मचारियों वाली पुलिस को काम सौंपा गया है, जो राज्य के पतन की कहानी बयां करता है।

कई विकास सूचकांकों में निरंतर गिरावट एक कठोर लेकिन अकाट्य वास्तविकता प्रस्तुत करती है। 2023-24 के लिए नीति आयोग की पंजाब के लिए सतत् विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.) रैंकिंग पर एक नजर डालने से ही सब कुछ स्पष्ट हो जाता है। उदाहरण के लिए, अच्छे काम और आर्थिक विकास से संबंधित एस.डी.जी.-8 पर पंजाब, जो

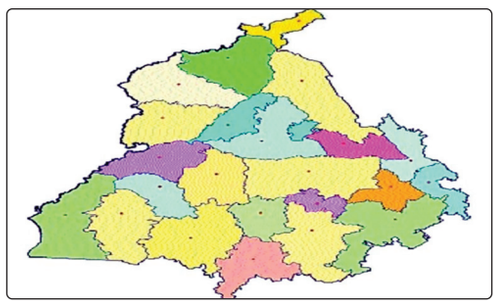

कभी अधिकांश विकास मापदंडों पर देश के शीर्ष तीन राज्यों में शामिल था, अब 18वें स्थान पर है। लैंगिक समानता (एस.डी.जी.-5) पर यह 19वें स्थान पर है और अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण (एस.डी.जी.-3) के लिए 8वें स्थान पर है। लगातार सरकारों की राजकोषीय फिजूलखर्ची के कारण राज्य का कर्ज मार्च 2024 तक 3.51 लाख करोड़ से अधिक है (इंडिया पॉलिसी फोरम, 2024, पंजाब का आर्थिक विकास, भारत की संभावनाएं और नीतियां)। नीति आयोग के 2023 के बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार, पंजाब की 4.75 प्रतिशत आबादी घोर गरीबी में रहती है।

सभी राजनीतिक दलों को इस स्थिति के लिए जिम्मेदारी सांझा करनी चाहिए। इसके लिए पहली शर्त है राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ बदले की राजनीति से दूर रहना। पंजाब को आर्थिक मंदी के दुष्चक्र से निकालने और राज्य के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए अभूतपूर्व विधायी बहुमत वाली मौजूदा सरकार को ठोस नीतिगत फैसलों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इसकी शुरुआत फसल विविधीकरण और पानी की खपत को तर्कसंगत बनाने सहित अपनी कृषि नीति को दुरुस्त करने से हो सकती है, क्योंकि राज्य में पानी की गुणवत्ता और भविष्य की उपलब्धता दोनों के मामले में स्थिति खराब है।

अक्तूबर 2024 में जारी ग्लोबल कमीशन ऑन द इकनॉमिक्स ऑफ वॉटर की एक रिपोर्ट ने भारत में कृषि के लिए असंतुलित सबसिडी और पानी के अविवेकपूर्ण इस्तेमाल के बीच संबंधों की ओर ध्यान आज़र्षित किया है। पंजाब के कई जिलों में पीने योग्य पानी की घटती उपलब्धता और इस संबंध में भयावह पूर्वानुमान अस्तित्ववादी संकट पेश करते हैं। कई आधिकारिक दस्तावेजों में दर्ज कारणों से राज्य के शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में बदलाव की जरूरत है। साथ ही, यह स्वीकार करने का समय आ गया है कि कोई भी सरकार केवल असंवहनीय मुफ्त उपहारों और राज्य की उदारता के आधार पर लोकप्रिय समर्थन का दावा नहीं कर सकती, क्योंकि कोई भी नेता या राजनीतिक दल आर्थिक असंभवता को नियंत्रित नहीं कर सकता।

भगवंत मान सरकार के पास अपने वादों को पूरा करने और एक अलग सरकार होने के अपने बहुप्रचारित दावे को सही साबित करने के लिए अभी भी समय और अवसर है। राज्य उस दलदल से बाहर निकालने के अपने प्रयासों में, जिसमें वह खुद को पाता है, सहकारी संघवाद की भावना में केंद्र सरकार से आवश्यक समर्थन पाने का हकदार है। लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि वह स्थिति की सच्चाई के बारे में मतदाताओं पर भरोसा करे और स्थिति को संबोधित करने के लिए कठिन लेकिन आवश्यक कदमों के लिए विपक्ष के साथ रचनात्मक रूप से जुड़े, वैचारिक प्रतिद्वंद्विता और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के बावजूद।

अपनी ओर से, मतदाताओं को आगामी चुनावों में एक प्रबुद्ध राजनीतिक भागीदारी पर जोर देना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक चुनाव आत्मनिरीक्षण और राज्य के सामने आने वाले बुनियादी सवालों के इर्द-गिर्द केंद्रित प्रगतिशील लोकतांत्रिक राजनीति को आगे बढ़ाने का समय हो। और सभी दलों, जिनमें बदला लेने की मुद्रा में बैठी राज्य कांग्रेस और फिर से उभरती भाजपा शामिल हैं, को पड़ोसी राज्यों में हुए चुनावों के इस स्पष्ट संदेश को याद रखना चाहिए कि लोगों की सामूहिक बुद्धि, जो उनके अनुभवों की यादों से आकार लेती है, अंततः प्रकट होती है और राजनीतिक पंडितों की भविष्यवाणियों के लिए माफी नहीं मांगती।

अमरीका के भविष्य को आकार देगा यह चुनाव

कल्याणी शंकर

व्हाइट हाऊस के लिए आगामी चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उसके अगले किराएदार का निर्धारण करेगा और संयुक्त राज्य अमरीका के भविष्य को आकार देगा। अमरीका को अपनी पहली महिला राष्ट्रपति मिलेगी या डोनाल्ड ट्रम्प का दूसरा कार्यकाल, यह न केवल राजनेताओं, बल्कि आम जनता के बीच भी बहस का विषय है। 5 नवम्बर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से एक सप्ताह पहले, देश में चुनावी बुखार ने जोर पकड़ लिया। हालांकि, संभावना है कि अंतिम परिणाम जानने में कुछ और दिन लग सकते हैं।

पोल और भविष्यवाणी बाजार चुनाव में रिपब्लिकन की जीत का संकेत दे रहे हैं। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प और डैमोक्रेट उम्मीदवार उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस के अपने अभियान समाप्त करने के साथ, संयुक्त राज्य अमरीका के भविष्य पर इस चुनाव के संभावित प्रभाव को कम करके नहीं आंका जा सकता। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं कि अभियान न केवल अत्यधिक नकारात्मक रहा, बल्कि व्यक्तिगत भी रहा है, जिसमें ट्रम्प ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर हमला किया, उसे नीचा दिखाया और उसे 'मूर्ख' कहा।

रिपोर्ट्स का दावा है कि मुकाबला बहुत कड़ा है, जिसमें ट्रम्प अभी आगे चल रहे हैं और कमला अपनी बढ़त को बना रही हैं, लेकिन चुनाव की तारीख के बाद भी कुछ और दिनों तक सस्पैंस जारी रहेगा। इलैक्टोरल कॉलेज वह प्रणाली है, जो राष्ट्रपति चुनाव तय करती है = व्हाइट हाऊस जीतने के लिए एक उम्मीदवार को कम से कम 270 वोट हासिल करने चाहिएं, जो राज्य द्वारा उनके संबंधित वोट के परिणाम के आधार पर आबंटित किए जाते हैं। काऊंटी चुनाव बोर्डों के पास आमतौर पर धोखाधड़ी या अनियमितताओं के किसी भी आरोप की जांच करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं होता है।

2020 में महत्वपूर्ण युद्धक्षेत्र राज्यों में कड़ी प्रतिस्पर्धा और कोविड महामारी के बीच मेल-इन वोटिंग में वृद्धि के कारण वोटों की गिनती में देरी हुई। इसने ट्रम्प और उनके सहयोगियों द्वारा चुनावी गड़बड़ी के निराधार दावों को बढ़ावा दिया। राज्य चुनाव कानून अन्य जांच और सुरक्षा

उपाय प्रदान करता है, जिसके माध्यम से संदिग्ध अनियमितताओं के संबंध में न्याय किया जा सकता है। ये तंत्र विवादों को हल करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। काऊंटी-स्तरीय प्रमाणन में विस्तारित देरी राज्यव्यापी परिणामों को प्रमाणित करने की समय सीमा के विरुद्ध हो सकती है।

एसोसिएटेड प्रैस के अनुसार, विजेता का अनुमान कई दिनों तक नहीं लगाया जा सकेगा। हालांकि, राज्य और पूरे चुनाव के नतीजे आमतौर पर अंतिम वोटों की गिनती से बहुत पहले ही घोषित कर दिए जाते हैं। 2020 में, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जीत दर्ज की, परिणाम 3 नवंबर के बाद चार दिनों तक घोषित किए गए, जब पेंसिल्वेनिया के परिणाम की पुष्टि हुई। राज्य ने बाइडेन को 20 इलैक्टोरल कॉलेज वोट दिए, जो जीतने के लिए आवश्यक 270 से अधिक थे।

2016 में, हिलेरी कल्टिंन ने चुनाव के अगले दिन सुबह ट्रम्प को स्वीकार कर लिया था। राष्ट्रपति पद की दौड़ के अंतिम दौर में होने और हैरिस और ट्रम्प द्वारा प्रतिद्वंद्वी को बदनाम करने के साथ, उपराष्ट्रपति ने ट्रम्प को खतरनाक कहा है। हैरिस जोर देकर कहती हैं कि वह दोनों काम कर रही हैं- ट्रम्प के साथ एक अंतर स्थापित करना और अर्थव्यवस्था, आव्रजन और अन्य पर अपना एजैंडा रखना। वह कहती हैं, ''या तो वहां डोनाल्ड ट्रम्प हैं, जो अपने दुश्मनों की सूची पर विचार कर रहे हैं, या मैं आपके लिए काम कर रही हूं, अपनी टू-डू सूची को पूरा कर रही हूं।''

ट्रम्प हैरिस पर लगातार हमला कर रहे हैं, कभी-कभी अभद्र शब्दों में। उनकी मुख्य रणनीति हैरिस को बाइडेन प्रशासन के साथ मतदाताओं की निराशा से जोड़ना है।

नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, रविवार को जारी संभावित मतदाताओं के ए.बी.सी./इप्सोस के सर्वेक्षण में हैरिस ट्रम्प से 4 अंक, 51 प्रतिशत-47 प्रतिशत आगे हैं, जो अक्तूबर की शुरुआत में उनके 50 प्रतिशत-48 प्रतिशत बढ़त से थोड़ा ऊपर है, जबकि रविवार को जारी सी.बी.एस./ यू गवर्नमैंट के सर्वेक्षण में हैरिस 50 प्रतिशत-49 प्रतिशत आगे हैं, जो उपराष्ट्रपति की अक्तूबर की 51 प्रतिशत-48 प्रतिशत बढ़त से एक बदलाव है।

फाइवथर्टीएट के चुनाव पूर्वानुमान के अनुसार, ट्रम्प के 100 में से 54 बार जीतने की संभावना है, जबकि हैरिस के लिए 46 बार। अभियान खर्च के लिए, हैरिस ने सितम्बर में अपने आधिकारिक अभियानों के लिए धन उगाहने के मामले में ट्रम्प को पीछे छोड़ दिया और रिपब्लिकन के 63 मिलियन डॉलर की तुलना में 222 मिलियन डॉलर जुटाए। ये संख्याएं 2020 की इसी अवधि से कम हैं, जब बाइडेन ने 281 मिलियन डॉलर और ट्रम्प ने 81 मिलियन डॉलर जुटाए थे।

हैरिस टी.वी. विज्ञापनों पर बहुत अधिक खर्च करने में सक्षम रहीं। वेस्लेयन मीडिया प्रोजैक्ट, जो अभियान विज्ञापन खर्च को ट्रैक करता है, के अनुसार, हैरिस अभियान ने डिजिटल विज्ञापन में भी ट्रम्प से नाटकीय रूप से अधिक खर्च किया है और केबल और रेडियो विज्ञापन पर हावी रहा है। अर्थव्यवस्था और मुद्रास्फीति प्रमुख ड्क्षचताएं हैं, 90 प्रतिशत और 85 प्रतिशत के साथ पंजीकृत वोटर्स ने अपने वोट में इन्हें अत्यधिक महत्वपूर्ण बताया है। कमला हैरिस के लिए समस्या यह है कि वह एशियाई मूल की महिला हैं। अत्यधिक विकसित देश होने के बावजूद, लोग एक महिला को चुनने से कतराते हैं। हिलेरी क्लिंटन ने बहुत कोशिश की, लेकिन वह राष्ट्रपति पद नहीं जीत पाईं। देखते हैं कमला सफल होती हैं या नहीं।

यूपी में बड़े दिल की बात करने वाले अखिलेश महाराष्ट्र में क्यों हो गये तंग दिल

अजय कुमार

सियासत भी अजब-गजब है यहां नेता साथ होकर भी अलग-अलग नजर आते हैं और अलग-अलग होते हुए भी साथ-साथ नजर आना चाहते हैं। विचारों की बात तो बेइमानी हो गई है। राजनीति का इससे अधिक गिरगिटी रंग क्या हो सकता है जो समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के नेता इंडी गठबंधन के नाम पर साथ-साथ होने का दम भरते हैं, लेकिन चुनाव मैदान में यूपी से लेकर महाराष्ट्र तक अपनी ढपली, अपना राग छेड़ते नजर आते हैं। यूपी के उप चुनाव में सपा ने कांग्रेस को एक भी सीट नहीं दी, वहीं महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में कांग्रेस के गठबंधन वाले महाअघाड़ी गठबंधन ने समाजवादी पार्टी को ठेंगा दिखा दिया। बस फर्क यह है कि यूपी में समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को एक भी सीट नहीं दी तो कांग्रेस ने चुनाव रेस से अपने को साइड लाइन कर लिया, लेकिन महाराष्ट्र में जब सपा को एक भी सीट नहीं देकर हासिये पर खड़ा किया गया तो समाजवादी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बगावती रूप अख्तियार कर लिया। समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र में नौ सीटों पर चुनाव लड़ना चाह रही थी। गौरतलब हो, महाविकास अघाड़ी और सपा के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर 29 अक्टूबर मंगलवार को नामांकन के अंतिम समय तक बात नहीं बन पाई। महाविकास अघाड़ी से 288 सीटों में से पांच सीटों की उम्मीदें लगाए बैठी सपा ने तिलमिला कर नौ सीटों पर अपने प्रत्याशियों का नामांकन कराकर कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों को आईना दिखा दिया। हालांकि, पार्टी के सूत्रों के मुताबिक यह तय हो गया है कि इसमें सपा के मौजूदा विधायक अबु आजमी और रईस शेख महाविकास अघाड़ी के तहत चुनाव लड़ेंगे। शेष सात उम्मीदवार सपा ने उतारे हैं। अब चार नवंबर को नाम वापसी के बाद महाविकास अघाड़ी में सपा की स्थिति साफ हो सकेगी। सपा ने जिन सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं उसमें धुले सिटी और मालेगांव सेंट्रल में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पिछले दिनों जनसभा करके महाराष्ट्र चुनाव अभियान की शुरुआत की थी। पिछले चुनाव में सपा ने मुंबई की मानखुर्द शिवाजीनगर और ठाणे की भिवंडी ईस्ट सीटें जीती थीं। सपा इसके साथ तीन और सीट मांग रही थी। वहीं, यूपी में सपा से चोट खाई कांग्रेस हरियाणा की तरह महाराष्ट्र में भी सपा को तवज्जो नहीं दे रही है। कहा जा रहा है सपा ने दबाव की राजनीति अपनाते हुए पांच सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने की घोषणा पहले ही कर दी थी लेकिन अब उसने कुल नौ सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। सपा के प्रत्याशियों की बात की जाये तो उसने मानखुर्द शिवाजीनगर और भिवंडी ईस्ट के साथ-साथ मालेगांव सेंट्रल से शान-ए-हिंद निहाल अहमद, धुले सिटी से इरशाद जागीरदार, भिवंडी वेस्ट से रियाज आजमी, तुलजापुर से देवानंद साहेबराव रोचकरी, परांडा से रेवण विश्वनाथ भोसले, औरंगाबाद पूर्व से डा. अब्दुल गफार कादरी सय्यद और भायखला से सईद खान को उम्मीदवार बनाया गया है। खैर, यहां अखिलेश की चर्चा उनके एक बयान को लेकर भी हो रही है। दरअसल, गठबंधन सियासत को लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव हमेशा से बड़ा दिल दिखाने का दावा करते रहे हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में जब कांग्रेस और बसपा के बीच बातचीत की खबरों पर बात हुई तब भी अखिलेश ने कहा था कि भाजपा को हराने के लिए हम बड़ा दिल दिखाने को तैयार हैं। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से सीट शेयरिंग के मुद्दे पर भी अखिलेश ने बड़े दिल की बात की थी, लेकिन ऐन चुनाव के वक्त महाराष्ट्र में उनके रुख में बदलाव को विपक्षी गठबंधन के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा रहा है। वहीं अखिलेश से यह भी पूछा जा रहा है कि यूपी में बड़े दिल की बात करने वाले सपा प्रमुख महाराष्ट्र में तंग दिल कैसे हो जाते हैं।

कृष्ण के 80 पुत्रों का रहस्य

आर्यभट्ट के अनुसार महाभारत युद्ध 3137 ईपू में हुआ। इस युद्ध के 35 वर्ष पश्चात भगवान कृष्ण ने देह छोड़ दी थी तभी से कलियुग का आरंभ माना जाता है। पुराणों के अनुसार 8वें अवतार के रूप में विष्णु ने यह अवतार 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में श्रीकृष्ण के रूप में देवकी के गर्भ से 8वें पुत्र के रूप में मथुरा के कारागार में जन्म लिया था। उनका जन्म भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकलने के बाद 8वें मुहूर्त में हुआ। तब रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि थी जिसके संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 3112 ईसा पूर्व (अर्थात आज से 5125 वर्ष पूर्व) को जन्म हुआ।

ज्योतिषियों के अनुसार रात 12 बजे उस वक्त शून्य काल था। भगवान श्रीकष्ण ने आठ महिलाओं से विधिवत विवाह किया था। इन आठ महिलाओं से उनको 80 पुत्र मिले थे। इन आठ महिलाओं को अष्टा भार्या कहा जाता था। इनके नाम हैं : अष्ट भार्या : कृष्ण की 8 ही पत्नियां थीं यथा- रुक्मणि, जाम्बवन्ती, सत्यभामा, कालिन्दी, मित्रबिन्दा, सत्या, भद्रा और लक्ष्मणा।

- श्रीकृष्ण-रुक्मिणी के पुत्र - प्रद्युम्न, चारुदेष्ण, सुदेष्ण, चारुदेह, सुचारू, चरुगुप्त, भद्रचारू, चारुचंद्र, विचारू और चारू।
- जाम्बवती-कृष्ण के पुत्र - साम्ब, सुमित्र, पुरुजित, शतजित, सहस्त्रजित, विजय, चित्रकेतु, वसुमान, द्रविड़ और क्रतु।
- सत्यभामा-कृष्ण के पुत्र - भानु, सुभानु, स्वरभानु, प्रभानु, भानुमान, चंद्रभानु, वृहद्भानु, अतिभानु, श्रीभानु और प्रतिभानु।
- कालिंदी-कृष्ण के पुत्र- श्रुत, कवि, वृष, वीर, सुबाहु, भद्र, शांति, दर्श, पूर्णमास और सोमक।
- मित्रविन्दा-श्रीकृष्ण के पुत्र- वृक, हर्ष, अनिल, गृध्र, वर्धन, अन्नाद, महांस, पावन, वह्नि और क्षुधि।
- लक्ष्मणा-श्रीकृष्ण के पुत्र- प्रघोष, गात्रवान, सिंह, बल, प्रबल, ऊर्ध्वग, महाशक्ति, सह, ओज और अपराजित।
- सत्या-श्रीकृष्ण के पुत्र- वीर, चन्द्र, अश्वसेन, चित्रगुप्त, वेगवान, वृष, आम, शंकु, वसु और कुंति।
- भद्रा-श्रीकृष्ण के पुत्र-संग्रामजित, वृहत्सेन, शूर, प्रहरण, अरिजित, जय, सुभद्र, वाम, आयु और सत्यक।

कृष्ण कुल का नाश

गांधारी के शाप के चलते भगवान श्री कृष्ण के कुल का नाश हो गया था। उल्लेखनीय है कि गांधारी ने यदुकुल या यदुवंश के नाश का शाप नहीं दिया था। मथुरा अंधक संघ की राजधानी थी और द्वारिका वृष्णियों की। ये दोनों ही यदुवंश की शाखाएं थीं। यदुवंश में अंधक, वृष्णि, माधव, यादव आदि वंश चला। श्रीकृष्ण ने मथुरा से जाकर द्वारिका में अपना स्थान बनाया था। श्रीकृष्ण ने द्वारिका का फिर से निर्माण कराया था, क्योंकि उनकी चीन यात्रा के दौरान शिशुपाल ने द्वारिका को नष्ट कर दिया था। श्रीकृष्ण वृष्णि वंश से थे। वृष्णि ही 'वार्ष्णेय' कहलाए, जो बाद में वैष्णव हो गए।

महाभारत युद्ध के बाद जब 36वां वर्ष प्रारंभ हुआ तो राजा युधिष्ठिर को तरह-तरह के अपशकुन दिखाई देने लगे। विश्वामित्र, असित, दुर्वासा, कश्यप, वशिष्ठ और नारद आदि बड़े-बड़े ऋषि द्वारका के पास पिंडारक क्षेत्र में निवास कर रहे थे। एक दिन सारण आदि किशोर जाम्बवती नंदन साम्ब को स्त्री वेश में सजाकर उनके पास ले गए और बोले- ऋषियों, यह कजरारे नैनों वाली बभ्रु की पत्नी है और गर्भवती है। यह कुछ पूछना चाहती है लेकिन सकुचाती है। इसका प्रसव समय निकट है, आप सर्वज्ञ हैं। बताइए, यह कन्या जनेगी या पुत्र। ऋषियों से मजाक करने पर उन्हें क्रोध आ गया और वे बोले, 'श्रीकृष्ण का पुत्र साम्ब वृष्णि और अर्धकवंशी पुरुषों का नाश करने के लिए लोहे का एक विशाल मूसल उत्पन्न करेगा। केवल बलराम और श्रीकृष्ण पर उसका वश नहीं चलेगा। बलरामजी स्वयं ही अपने शरीर का परित्याग करके समुद्र में प्रवेश कर जाएंगे और श्रीकृष्ण जब भूमि पर शयन कर रहे होंगे, उस समय जरा नामक व्याध उन्हें अपने बाणों से बींध देगा।' मुनियों की यह बात सुनकर वे सभी किशोर बहुत डर गए। उन्होंने तुरंत साम्ब का पेट (जो गर्भवती दिखने के लिए बनाया गया था) खोलकर देखा तो उसमें एक मूसल मिला। वे सब बहुत घबरा गए और मूसल लेकर अपने आवास पर चले गए। उन्होंने भरी सभा में वह मूसल ले जाकर रख दिया। उन्होंने राजा उग्रसेन सहित सभी को यह घटना बता दी। उन्होंने उस मूसल का चूरा-चूरा कर डाला तथा उस चूरे व लोहे के छोटे टुकड़े को समुद्र में फिंकवा दिया जिससे कि ऋषियों की भविष्यवाणी सही न हो। लेकिन उस टुकड़े को एक मछली निगल गई और चूरा लहरों के साथ समुद्र के किनारे आ गया और कुछ दिन बाद एरक (एक प्रकार की घास) के रूप में उग आया। मछुआरों ने उस मछली को पकड़ लिया। उसके पेट में जो लोहे का टुकडा था उसे जरा नामक ब्याध ने अपने बाण की नोंक पर लगा लिया। मुनियों के शाप की बात श्रीकृष्ण को भी बताई गई थी। उन्होंने कहा- ऋषियों की यह बात अवश्य सच होगी। एकाएक उन्हें गांधारी के शाप की बात याद आ गई। वृष्णिवंशियों को दो शाप- एक गांधारी का और दूसरा ऋषियों का। श्रीकृष्ण सब कुछ जानते थे लेकिन शाप पलटने में उनकी रुचि नहीं थी।

36वां वर्ष चल रहा था। उन्होंने यदुवंशियों को तीर्थयात्रा पर चलने की आज्ञा दी। वे सभी प्रभास में उत्सव के लिए इकट्ठे हुए और किसी बात पर आपस में झगड़ने लगे। झगड़ा इतना बढ़ा कि वे वहां उग आई घास को उखाड़कर उसी से एक-दूसरे को मारने लगे। उसी 'एरका' घास से यदुवंशियों का नाश हो गया। हाथ में आते ही वह घास एक विशाल मूसल का रूप धारण कर लेती। श्रीकृष्ण के देखते-देखते साम्ब, चारुदेष्ण, प्रद्युम्न और अनिरुद्ध की मृत्यु हो गई।

मौसुल युद्ध

इस आपसी झगड़े को मौसुल युद्ध कहा जाता है। इस युद्ध के कई रहस्य हैं। झगड़े की शुरुआत कृतवर्मा के अपमान से हुई। सात्यकि ने मदिरा के आवेश में उनका उपहास उड़ाते हुए कहा कि अपने को क्षत्रिय मानने वाला ऐसा कौन वीर होगा, जो रात में मुर्दे की तरह सोए मनुष्यों की हत्या करेगा। तूने जो अपराध किया है, यदुवंशी उसे कभी माफ नहीं कर सकते। उसके ऐसा कहने पर प्रद्युम्न ने भी कृतवर्मा का अपमान करते हुएउनकी बात का समर्थन किया। कृतवर्मा ने महाभारत का युद्ध लड़ा था और वे युद्ध में जीवित बचे 18 योद्धाओं में से एक थे। कृतवर्मा यदुवंश के अंतर्गत भोजराज हृदिक का पुत्र और वृष्णि वंश के 7 सेनानायकों में से एक था। महाभारत युद्ध में इसने एक अक्षौहिणी सेना के साथ दुर्योधन की सहायता की थी। कृतवर्मा कौरव पक्ष का अतिरथी योद्धा था। कृतवर्मा को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने एक हाथ उठाकर सात्यकि का तिरस्कार करते हुए कहा, 'भूरिश्रवा की बांह कट गई थी और वे मरणांत उपवास का निर्णय कर युद्ध भूमि में बैठ गए थे, उस अवस्था में भी तुमने वीर कहलाकर भी उनकी नृशंसतापूर्वक हत्या क्यों कर दी थी। यह तो नपुंसकों जैसा कृत्य था। इस बात पर सात्यकि को क्रोध आ गया। उन्होंने तलवार से कृतवर्मा का सिर धड़ से अलग कर दिया। बात बढ़ती चली गई और सब काल-कवलित हो गए। मूसल के प्रहार से उन सबने एक-दूसरे की जान ले ली।

ऐसे सपने बताते हैं घर में आने वाली हैं खुशियां

सपने सभी को दिखाई देते हैं। उनमें से कुछ सपने अच्छे भविष्य की ओर संकेत करते हैं, जबकि कुछ भविष्य में आने वाली परेशानियों से आगाह करते हैं। स्वप्न ज्योतिष के अनुसार, सपनों का संबंध कहीं न कहीं आपके मन और आपकी चाहतों से होता है। प्राचीन काल से चली आ रही मान्ताओं के अनुसार सपने आने वाले शुभ और अशुभ फलों के बारे में बताते हैं। कुछ सपने ऐसे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इनके दिखने का मतलब है घर में आने वाली है बड़ी खुशी। आइए जानते है कुछ ऐसे ही सपनों के बारे में जो ये संकेत देते हैं।

अनार का फल देखना

अनार का फल देखने का मतलब है धन लाभ भी और संतान प्राप्ति का संकेत देता हैं।

आम का पेड़ देखना

अगर सपने में आप आम से लदे हुए पेड़ को देखते हैं तो यह संकेत है कि आपके घर में खुश खबरी आने वाली है।

सपने में सांप को देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार अगर आपको सपने में सांप दिखने लगे तो इसका मतलब है कि आपके घर में नए मेहमान का आगमन हो सकता है यानी आपके घर में संतान का जन्म हो सकता है। यह सपना धन लाभ का भी सचक माना जाता है।

छोटे बच्चो को खेलते हुए देखना

छोटे बच्चे को खेलते हुए देखने का मतलब है आपके दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी और संतान प्राप्ति का योग बनेगा।

सेब खाते हुए देखना

महलिाओं का सेब खाते हुए देखने का मतलब है कि खुशखबरी आने वाली है। वह मां बन सकती हैं। गोद में और फलों की टोकरी देखने का मतलब भी संतान प्राप्ति माना गया है।

इमली खाते हुए देखना

सपने में ईमली खाते हुए देखने का मतलब है आपके घर में बच्चे की किलकारी गूंजने वाली है।

दर्पण देखना

सपने में दर्पण देखने का मतलब है कि आपको जल्दी ही संतान सुख मिलेगा।

हरा-भरा खेत देखना

सपने में हरा भरा खेत दिखना मतलब जीवन में हरयिाली यानी धन और सुख का समय आने वाला है। यह सपना संतान प्राप्ति का भी सूचक माना जाता है।

लाल फूल का दिखना

सपने में लाल फूल का दखिना अच्छा शगुन माना जाता है। इसका मतलब है कि आपको संतान सुख मिलेगा।

नाखून का बढ़ा हुआ देखना

अपने नाखून का बढ़ा हुआ देखना अच्छा शगुन माना जाता है। यह स्वप्न बताता है कि आपको कहीं से धन लाभ मिलेगा। यह स्वप्न नि:संतान दंपति को संतान सुख का संकेत देता है।

इस श्राप के कारण शिवजी ने काटा था गणेशजी का सिर

पौराणिक कथाओं में कहा जाता है कि एक बार शिवजी ने अपने पुत्र गणेश का सिर त्रिशूल से काट दिया था। मगर, क्या आप जानते हैं कि ऐसा करने की स्थिति क्यों बनी थी। वह क्या श्राप था, जिसकी वजह से भोलेनाथ को भी पीड़ा उठानी पड़ी।

गणेशजी के जन्म की कहानी

एक बार शिवजी के गण नंदी ने देवी पार्वती की आज्ञा पालन में त्रुटि कर दी थी। इससे नाराज देवी ने अपने शरीर के उबटन से एक बालक का निर्माण कर उसमें प्राण डाल दिए और कहा कि तुम मेरे पुत्र हो। तुम मेरी ही आज्ञा का पालन करना किसी और की नहीं। देवी पार्वती ने यह भी कहा कि मैं स्नान के लिए जा रही हूं। ध्यान रखना कोई भी अंदर न आने पाए। थोड़ी देर बाद वहां भगवान शंकर आए और देवी पार्वती के भवन में जाने लगे। यह देखकर उस बालक ने विनयपूर्वक उन्हें रोकने का प्रयास किया। बालक का हठ देखकर भगवान शंकर क्रोधित हो गए और उन्होंने अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। देवी पार्वती ने जब यह देखा तो वे बहुत क्रोधित हो गई। उनकी क्रोध की अग्नि से सृष्टि में हाहाकार मच गया। तब सभी देवताओं ने मिलकर उनकी स्तुति की और बालक को पुनर्जीवित करने के लिए कहा। तब भगवान शंकर के कहने पर विष्णुजी एक हाथी का सिर काटकर लाए और वह सिर उन्होंने उस बालक के धड़ पर रखकर उसे जीवित कर दिया। तब भगवान शंकर व अन्य देवताओं ने उस गजमुख बालक को अनेक आशीर्वाद दिए। देवताओं ने गणेश, गणपति, विनायक, विघ्नहरता, प्रथम पूज्य आदि कई नामों से उस बालक की स्तुति की।

यह था शिवजी को श्राप

एक समय में माली और सुमाली दो राक्षस थे जो शिव को समर्पित थे। सूर्य देव उन राक्षसों को उनके पापों के लिए मारने वाले थे। राक्षसों ने शिव से प्रार्थना की और शिव ने उनकी रक्षा के लिए हस्तक्षेप किया। उन्होंने सूर्य को अपने त्रिशूल से मार दिया और इससे सारी दुनिया अंधेरे में डूब गयी। त्रिशूल की चोट से सूर्य की चेतना नष्ट हो गई और वह तुरंत रथ से नीचे गिर पड़े। जब कश्यपजी ने देखा कि उनका पुत्र मरणासन्न अवस्था में हैं, तो वे उसे छाती से लगाकर फूट-फूटकर विलाप करने लगे। सारे देवताओं में हाहाकार मच गया। सभी भयभीत होकर रोने लगे। तब ब्रह्मा के पौत्र तपस्वी कश्यप जी ने शिवजी को शाप दिया, वे बोले जैसा आज तुम्हारे प्रहार के कारण मेरे पुत्र का हाल हो रहा है। ठीक वैसे ही तुम्हारे पुत्र पर भी होगा। तुम स्वयं अपने ही पुत्र का मस्तक काट दोगे। इसी श्राप के कारण ऐसे संयोग बने कि महादेव को गणेश जी का सर काटना पड़ा।

विदेशों में भी मानते हैं मोर पंखों को शुभ

मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी-दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं। मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।

- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थी, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।

यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

6 साल बाद जम्मू-कश्मीर का पहला विधानसभा का सत्र

श्रीनगर। छह साल में पहली बार बुलाई गई जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नाटकीय वापसी के तहत विधायकों के बीच तीखी बहस देखने को मिली। सत्र की शुरुआत पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के विधायक वहीद पारा ने की, जिन्होंने अगस्त 2019 में लागू अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का विरोध करते हुए एक अप्रत्याशित प्रस्ताव पेश किया। मंत्रिपरिषद ने जनता की भावनाओं के अनुरूप राज्य का दर्जा बहाल करने का आह्वान करते हुए एक प्रस्ताव रखा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा, मेरी सरकार राज्य को बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। अनुच्छेद 370 को ख़त्म करने के खिलाफ़ प्रस्ताव पेश करने पर पारा ने सदस्यों के बीच उत्साहपूर्ण चर्चा शुरू कर दी, जिससे क्षेत्र की विशेष स्थिति को लेकर चल रहे तनाव पर प्रकाश डाला गया। विधानसभा का सत्र जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य से जुड़ी जटिलताओं और गहरी जड़ों वाली भावनाओं को प्रतिबिंबित करता है।

झारखंड में भाजपा को अपनों से खतरा

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा सिर्फ इंडिया गठबंधन से ही लड़कर अपनी जीत की पटकथा नहीं लिख सकती है। बल्कि अब भारतीय जनता पार्टी को पहले राज्य में अपनों से ही जंग करनी पड़ेगी। दरअसल, चुनाव की शुरूआत में भाजपा नेताओं के विद्रोही तेवरों ने पार्टी के रणनीतिकारों की परेशानी को बढ़ा दिया है। तो वहीं इनमें से कुछ नेताओं ने टिकट न मिलने से नाराज होकर पार्टी से साथ विद्रोह का बिगुल फूंका है। अब इन विद्रोहियों के जोर आजमाइश का पार्टी पर कितना प्रभाव पड़ेगा, यह तो समय ही बताएगा। लेकिन राज्य में फिलहाल तो भाजपा को डैमेज कंट्रोल के संकट से गुजरना पड़ रहा है। बता दें कि झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। रघुवर सरकार में मंत्री रहीं लुइस मरांडी समेत करीब आधा दर्जन बीजेपी नेताओं और पूर्व विधायकों ने झामुमो का दामन थाम लिया है, जिससे राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

कांग्रेस के लिए अग्निपरीक्षा से कम नहीं झारखंड चुनाव का रण

नईदिल्ली। हाल ही में हरियाणा के विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद से ही कांग्रेस पार्टी की रणनीति पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। माना जा रहा है कि हरियाणा में कांग्रेस की हार राहुल गांधी के लिए बड़े झटके के तौर पर हो सकता है। क्योंकि इसका असर झारखंड विधानसभा चुनाव पर भी पड़ सकता है। क्योंकि हरियाणा में मिली हार से कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल गिर सकता है। बता दें कि हेमंत सोरेन की सरकार जिस तरह से लव जिहाद के मामले, आदिवासी गांव में बांग्लादेशी घुसपैठियों का आना जाना बढ़ना और हिंदुओं पर हमले हुए हैं, उससे झामुमो सरकार जनता के निशाने पर आ गई है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी ने अभी से इनको मुद्दा बनाते हुए राज्य में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। ऐसे में राज्य में कांग्रेस को जहां पिछड़ी स्थिति में देखा जा रहा है, तो वहीं भाजपा यह भी जानती है कि राज्य में दोबारा सत्ता किसी की नहीं आती है। ऐसे में माना जा रहा है कि कांग्रेस के लिए झारखंड चुनाव का यह रण किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होने वाला है।

झारखंड में जेएमएम और कांग्रेस 70 सीटों पर लड़ेंगी चुनाव

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सभी राजनीति पार्टियां राज्य में जोर-आजमाइश में लगी हुई हैं। बता दें कि राज्य में इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग खाका लगभग तैयार हो चुका है। बीते शनिवार को सीएम हेमंत सोरेन और कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि कांग्रेस और जेएमएम मिलकर 81 में से 70 सीटों पर साथ चुनाव लड़ेगी। वहीं बाकी की 11 सीटें गठबंधन में शामिल अन्य पार्टियां वाम मोर्चा और आरजेडी के बीच शेयर की जाएंगी। हालांकि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि जेएमएम कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी और कांग्रेस कितनी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। सीएम सोरेन ने बताया कि कांग्रेस और जेएमएम कुल मिलाकर 70 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। अब यह दोनों ही पार्टियां किन-किन सीटों पर अपने उम्मीदवारों को उतारेगी इसका खुलासा बाद में किया जाएगा।

झारखंड में आरजेडी के लिए मुसीबत बनी जेएमएम

रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का ऐलान हो गया है। झारखंड में दो चरणों में यानी की 13 और 20 नवंबर को मतदान होंगे। वहीं चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को जारी किए जाएंगे। चुनाव तारीखों का ऐलान होने के बाद ही झारखंड में गठबंधन पार्टियों के बीच सीट बंटवारे को लेकर चर्चा का दौर तेज हो गया है। वहीं सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी पार्टियों की रणनीति को मजबूत करने में लगे हुए हैं। लेकिन माना जा रहा है कि राज्य में आरजेडी के लिए जेएमएम मुसीबत बन गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, झारखंड में भी 77 सीटों पर कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा यानी जेएमएम के बीच सीट बंटवारे को लेकर सहमति हो गई है। लेकिन अभी भी राज्य में 4 ऐसी सीटें हैं, जहां पर कांग्रेस और जेएमएम के बीच बातचीत का दौर जारी है। सूत्रों की जानकारी के मुताबिक जेएमएम, आरजेडी को राज्य में कोई भी सीट नहीं देना चाहती है।

राहुल गांधी यूपी आयेंगे लेकिन अखिलेश के प्रत्याशियों के लिये वोट नहीं मांगेंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की नौ विधान सभा सीटों के लिये उपचुनाव की तारीखें करीब आ रही हैं। बीजेपी और सपा दोनों की ही तरफ से जीत के बड़े-बड़े दावे किये जा रहे हैं। वहीं बसपा भी एक बार फिर से उम्मीद की किरण जगाये हुए है, लेकिन ऐन चुनाव से पहले रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे से समाजवादी पार्टी के दिल की धड़कन बढ़ा दी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार 05 नवंबर को रायबरेली आ रहे हैं, परंतु वह उपचुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी के लिये कोई जनसभा नहीं करेंगे। कांग्रेस आलाकमान द्वारा राहुल के इस दौरे को फिलहाल उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव से अलग रखा जा रहा है। यह बात समाजवादी पार्टी को रास नहीं आ रही है। उसे लगता है कि इससे फील्ड में सपा प्रत्याशियों के खिलाफ मैसेज जायेगा। प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव के बीच राहुल के दौरे को लेकर उम्मीद की जा रही थी कि वह इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों का प्रचार भी करेंगे, लेकिन उनके इस दौरे में फिलहाल उपचुनाव के प्रचार को शामिल नहीं किया गया है। यूपी उपचुनाव के समय राहुल के दौरे को राजनीति के कुछ जानकार कांग्रेस की सोची समझी सियासी चाल भी बता रहे हैं।

गौरतलब हो, प्रदेश में गठबंधन की सहयोगी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में टिकट बंटवारे को लेकर लंबे समय तक चली खींचतान के बीच अधिकतर सीटों पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी थी। इससे कांग्रेस में नाराजगी देखने को मिली थी। उसने चुनाव लड़ने तक से इंकार कर दिया। इसके बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यह कहना शुरू कर दिया था कि मामला सीटों के बंटवारे का नहीं बल्कि इस बात का है कि कौन प्रत्याशी चुनाव जीत पायेगा। इसी आधार पर सपा ने सभी नौ सीटों पर प्रत्याशी उतार दिये। बता दें सपा कांग्रेस को दो सीटें दे रही थी, जबकि कांग्रेस दो से ज्यादा सीटों पर उपचुनाव लड़ने की इच्छुक थी। नतीजतन कांग्रेस ने सपा के लिए सभी सीटें छोड़ दी। ध्यान देने वाली बात है कि उपचुनाव के प्रचार के लिए 10 से भी कम दिन बाकी रह गए हैं। राहुल गांधी इन्हीं दिनों में रायबरेली के दौरे पर होंगे लेकिन उपचुनाव से इस दौरे का कोई संबंध न होना सपा और कांग्रेस के बीच के मनमुटाव को दर्शा रहा है। कहीं ऐसा तो नहीं कि सीटों के बंटवारे ने इन दोनों पार्टियों के गठजोर को बांट दिया है। अब आगे देखना होगा कि सपा के सहयोगी पार्टी के नेता राहुल गांधी कब तक उपचुनाव से दूरी बनाए रखते हैं। कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि राहुल गांधी यूपी आयेगें जरूर लेकिन इंडिया गठबंधन यानी सपा के प्रत्याशियों के लिये वोट नहीं मांगेगे।

वैसे पता यह चला है कि राहुल गांधी रायबरेली में जिला प्रशासन व अन्य सरकारी विभागों के अधिकारियों के साथ जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद राहुल तेलंगाना चले जाएंगे। कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार राहुल के इस दौरे को फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पीएम मोदी को दी चुनौती

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा की जनविरोधी नीतियां भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह कर रही हैं। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देते हुए कहा कि वह विपक्ष के खिलाफ झूठ बोलने के बजाय भविष्य की अपनी चुनावी रैलियों में देश के असल मुद्दों पर बोलें। खरगे ने कहा कि फर्जी बयानबाजी, जनकल्याण के असल मुद्दों की जगह नहीं ले सकती।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि %आम नागरिकों से उनका सारा पैसा लूटकर आपने जो आर्थिक उथल-पुथल मचाई है, उस पर एक नजर डालिए! यहां तक कि त्योहारों का उल्लास भी भारत की अर्थव्यवस्था को उत्साहित नहीं कर सका। अर्थव्यवस्था कम खपत, उच्च मुद्रास्फीति, बढ़ती असमानता, निवेश में कमी और वेतन में ठहराव की कमी से जूझ रही है। खरगे ने आरोप लगाया कि उद्योग जगत के दिग्गज भी कह रहे हैं कि देश का मध्यम वर्ग सिमट रहा है क्योंकि मोदी सरकार कमरतोड़ महंगाई और लोगों की बचत खत्म करके गरीब और मध्यम वर्ग को बड़ा झटका दे रही है।

खरगे ने आंकड़ों के आधार पर सरकार को घेरा

खरगे ने लिखा कि पांच निर्विवाद तथ्य है- खाद्य महंगाई 9.2 प्रतिशत पहुंच गई है। सब्जियों की मुद्रास्फीति (महंगाई) अगस्त में 10.7 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर सितंबर 2024 में 14 महीने के उच्चतम स्तर 36 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह एक तथ्य है कि एफएमसीजी क्षेत्र में मांग में भारी गिरावट देखी गई है, बिक्री में वृद्धि एक साल में 10.1 प्रतिशत से घटकर सिर्फ 2.8 प्रतिशत रह गई है। यह आपके अपने वित्त मंत्रालय की मासिक रिपोर्ट में यह कहा गया है।

खरगे ने दावा किया कि एफएंडबी क्षेत्र में तेजी, जो पहले दोहरे अंकों में हुआ करती थी, अब घटकर 1.5-2 प्रतिशत रह गई है। एफएमसीजी कंपनियों ने मार्जिन में कमी आई है और अगर कंपनियों के लिए कच्चे माल की लागत ज्यादा हो जाती है तो इससे कीमतों में वृद्धि होगी। कांग्रेस प्रमुख ने दावा किया कि घरेलू बचत 50 साल के निचले स्तर पर आ गई है। सितंबर में यात्री वाहनों की बिक्री में 19 प्रतिशत की गिरावट आई है और अक्तूबर में अधिकांश बिक्री स्थिर रही।

खरगे ने दावा किया कि %वित्त मंत्रालय ने कहा है कि ऑटोमोबाइल बिक्री में 2.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। दोपहिया वाहनों की बिक्री अभी भी 2018 के आंकड़ों को पार नहीं कर पाई है। भाजपा की जनविरोधी नीतियां भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही हैं!

पीएम मोदी ने गढ़वा में दी झारखंडवासियों को चार गारंटी

भाजपा झारखंड में सुविधा, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि की गारंटी के साथ चुनाव लड़ेगी

रांची। झारखंड में पहले चरण के चुनाव के लिए अब कुछ ही दिन बचे हैं। इसी बीच बीजेपी के स्टार प्रचारक और पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गढ़वा में जनसभा को संबोधित किया। झारखंड में दो चरणों में 13 नवंबर और 20 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आपने कुछ महीने पहले दिल्ली में लगातार तीसरी बार भाजपा-एनडीए सरकार बनाई। अब झारखंड में विधानसभा का चुनाव है, हम सभी को मिलकर यहां भाजपा-एनडीए के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार बनानी है।

इस दौरान उन्होंने बीजेपी के संकल्प पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि बीजेपी झारखंड में चार गारंटी के साथ चुनावी मैदान में उतरी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी झारखंड में सुविधा, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि की गारंटी के साथ चुनाव लड़ेगी।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं आज आप सबका आशीर्वाद मांगने आया हूं। आज झारखंड में हर तरफ एक ही गूंज है, रोटी-बेटी-माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा-एनडीए की सरकार। मोदी ने कहा कि इस समय छठ का उत्साह भी चारो तरफ दिख रहा है। मैं छठी मैया की उपासना करने वालों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि झारखंड में ये चुनाव ऐसे समय हो रहे हैं, जब पूरा देश विकसित भारत के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहा है यानी आने वाले 25 वर्ष देश और झारखंड के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। देश की आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे और झारखंड भी तब 50 वर्ष का होने वाला होगा।

गोगो दीदी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 2100 रुपये

पीएम मोदी ने कहा कि माताओं, बहनों और बेटियों के कल्याण के लिए झारखंड बीजेपी संकल्प पत्र में कई संकल्प लाई है। पीएम मोदी ने गोगो दीदी योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इस योजना के तहत हर महिला को 2100 रुपये दिए जाएंगे। झारखंड में बीजेपी सरकार बनने के बाद 500 रुपये में गैस सिलेंडर देगी। यहीं नहीं अगले साल से दीपावली और रक्षाबंधन पर दो मुफ्त सिलेंडर भी देगी। पीएम ने कहा कि बीजेपी का संकल्प पत्र रोटी-बेटी-माटी के सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि झारखंड में बेहतर सुविधाओं के लिए, किसानों के लिए, राज्य में उद्योगों को मजबूत करने के लिए, केंद्र सरकार ने हर संभव प्रयास किया है, भले ही झामुमो सरकार ने उनके सामने बाधाएं खड़ी कीं। जब आप यहां डबल इंजन की सरकार बनाएंगे, तो राज्य में भी विकास होगा दोगुनी गति से होता है। पीएम मोदी ने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि जब हाईकोर्ट में ये बात सामने आई तो इन्होंने घुसपैठ होने की बात मानी नहीं। इससे पता चलता है कि सरकारी तंत्र में ही घुसपैठ हो गया। अगर अभी इसे नहीं रोका गया तो आदिवासियों की जनसंख्या सिकुड़ जाएगी। उन्होंने कहा कि झामुमो, कांग्रेस, राजद वंशवाद की राजनीति में विश्वास करते हैं। उन्होंने आदिवासी नेता चंपई सोरेन का अपमान किया। उन्होंने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री, विधायक और झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन के सांसद भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि झारखंड में घोटाले उद्योग में बदल गए हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार को जमकर घेरते हुए कहा कि यहां के मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक और सांसद सभी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। यहां के सांसद के ठिकानों से नोटों के पहाड़ मिले।

खेल
प्रमुख समाचार

भारतीय टीम टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंची

डरबन। सूर्यकुमार यादव की अगुआई में भारतीय टीम टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंच चुकी है। भारत को दक्षिण अफ्रीका के साथ आठ नवंबर से चार मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। नियमित मुख्य कोच गौतम गंभीर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारियों में जुटे हैं जिस कारण इस दौरे के लिए वीवीएस लक्ष्मण अंतरिम कोच के तौर पर टीम के साथ आए हैं। इस टीम में कई नए खिलाड़ियों को मौका दिया गया है।

दक्षिण अफ्रीका दौरे पर आई टीम के खिलाड़ियों ने डरबन पहुंचने पर कुछ मस्ती भी की और दक्षिण अफ्रीका की संस्कृति को लेकर कुछ सवाल जवाब भी किए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल खिलाड़ियों के साथ क्रिज खेलते दिखाई दे रहे हैं। अभिषेक ने तिलक वर्मा से सवाल पूछा, क्या दक्षिण अफ्रीका एकमात्र देश है जिसकी तीन राजधानी है?

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला मैच डरबन में होगा। दक्षिण अफ्रीका टीम की कमान एडेन मार्करैम संभालेंगे और इस टीम में गेराल्ड कोएट्जे और मार्को जेनसेन जैसे तेज गेंदबाज भी शामिल हैं। दूसरी तरफ, भारतीय टीम में सूर्यकुमार के अलावा अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं, रिंकू सिंह और तिलक जैसे आक्रामक बल्लेबाजों को भी टीम में जगह मिली है।

टी20 सीरीज के लिए भारत की टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार वैशाक, आवेश खान, यश दयाल।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 942 तो निफ्टी 309 अंक लुढ़का

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह के पहले दिन यानी सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई और सेंसेक्स 79 हजार तथा निफ्टी 24 हजार के नीचे चला गया। बाजार में बड़े पैमाने पर बिकवाली और अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले अस्थिरता बढ़ने के कारण गिरावट आई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज मामूली गिरावट के साथ 79,713.14 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 1500 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 78,232.60 तक आ गया था। अंत में सेंसेक्स 1.18 प्रतिशत या 941.88 अंक गिरकर 78,782.24 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 1.27 प्रतिशत या 309 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 23,995.35 के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 42 के शेयर गिरावट में बंद रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स का शेयर सबसे ज्यादा 3.23 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ।

36% कंपनियों की सितंबर तिमाही में कमाई कम

नईदिल्ली। इस वर्ष सितंबर में समाप्त तिमाही में निफ्टी 50 इंडेक्स की 18 कंपनियां कमाई के मामले में बाजार अनुमान से पीछे रहीं, जबकि 15 कंपनियों ने उम्मीद से ज्यादा कमाई की। यह जानकारी ब्लूमबर्ग के आंकड़ों से मिली है। सितंबर तिमाही के परिणामों के आधार पर, विश्लेषकों ने 19 कंपनियों के अनुमानों में सुधार किया और 14 के अनुमान घटाए। रेवेन्यू और प्रॉफिट के मापदंडों पर कवरेज न होने के कारण बजाज फिनसर्व को चार्ट में शामिल नहीं किया गया है। बाकी निफ्टी 50 कंपनियों के परिणाम अभी घोषित नहीं हुए हैं। ब्रोकरेज फर्म, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज द्वारा किए किए गए पोस्ट-रिजल्ट विश्लेषण के मुताबिक, अक्टूबर तक अपनी कमाई की घोषणा करने वाली 34 निफ्टी 50 कंपनियों का लाभ सालाना आधार पर स्थिर रहा है, जबकि पिछले साल अनुमानित वृद्धि दर 2 प्रतिशत थी।

अक्टूबर में भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने फिर पकड़ी गति

नईदिल्ली। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर सितंबर के आठ महीने के निचले स्तर से अक्टूबर में सुधार के साथ 57.5 हो गई। सोमवार को एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित 'एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (पीएमआई) सितंबर में आठ महीने के निम्नतम स्तर 56.5 से बढ़कर अक्टूबर में 57.5 हो गया, जो परिचालन स्थितियों में पर्याप्त तथा त्वरित सुधार का संकेत है। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में अक्टूबर में काफी वृद्धि हुई है, क्योंकि अर्थव्यवस्था की परिचालन स्थितियों में व्यापक रूप से सुधार जारी है। तेजी से बढ़ते नए ऑर्डर तथा अंतरराष्ट्रीय बिक्री भारत के विनिर्माण क्षेत्र के लिए मजबूत मांग वृद्धि को दर्शाती है।''

मारुति का अक्टूबर में यात्री कार उत्पादन 16 प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली। देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने अक्टूबर में अपने यात्री कार उत्पादन में 16 प्रतिशत की कटौती की है। हालांकि, इस दौरान कंपनी के यूटिलिटी वाहनों का उत्पादन 33 प्रतिशत बढ़ा है। मारुति सुजुकी इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि पिछले महीने उसका यात्री कारों का उत्पादन 89,174 इकाई रहा जो अक्टूबर, 2023 के 1,06,190 इकाई के आंकड़े से 16 प्रतिशत कम है। दूसरी ओर, ब्रेजा, एर्टिगा, फ्रोंक्स, जिम्नी, एक्सएल6 और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर को आपूर्ति किए जाने वाले यूटिलिटी वाहनों का उत्पादन 33.18 प्रतिशत बढ़कर 72,339 इकाई हो गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 54,316 इकाई था। ऑल्टो तथा एस-प्रेसो सहित छोटी कारों का उत्पादन पिछले माह घटकर 12,787 इकाई रह गया, जबकि अक्टूबर, 2023 में यह 14,073 इकाई था।

पंजाब एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी से होगा एम.एस.एम.ई.ज का बेड़ा पार

डा. अमृत सागर मित्तल

नीति आयोग ने पंजाब सरकार के साथ सांझेदारी में राज्य के एम.एस.एम.ईज में एक्सपोर्ट कारोबार की क्षमता बढ़ाने व उनकी चुनौतियों के समाधान की पहल की है। इसके लिए हाल ही में नीति आयोग के वाइस चेयरमैन सुमन बेरी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की मौजूदगी में राज्य के कई एम.एस.एम.ईज से बैठक करके उनकी राय जानी। पंजाब की उद्यमशीलता की अपार शक्ति जगाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार छोटे व मंझोले कारोबारियों का हाथ पकड़े तो देश से एक्सपोर्ट कारोबार में पंजाब की मौजूदा 2 प्रतिशत हिस्सेदारी 10 प्रतिशत के पार जाने की क्षमता है। पंजाब के एम.एस.एम.ईज को एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी से लैस कर राज्य के औद्योगिक विकास व रोजगार के नए अवसर की रफ्तार बढ़ाई जा सकती है।

किसी राज्य के विकास के बुनियादी स्तंभ एक्सपोर्ट के लिए उस राज्य की भौगोलिक स्थिति महत्वपूर्ण है, जबकि पाकिस्तान से सटे संवेदनशील लैंड लॉक्ड बॉर्डर स्टेट पंजाब के लिए भौगोलिक स्थिति ही सबसे बड़ी चुनौती है। 58 साल पहले पंजाब से अलग राज्य बना हरियाणा, जिसका अधिकांश इलाका बंजर था, एन.सी.आर. के नजदीक होने की वजह से एक्सपोर्ट कारोबार में देश के 5 शीर्ष राज्यों में से एक है। पंजाब की तुलना में हरियाणा से एक्सपोर्ट कारोबार 5 गुणा से अधिक है, वहीं समुद्री पोर्ट से लगते गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्य भी कम माल भाड़े के कारण पंजाब के औद्योगिक विकास के लिए चुनौती हैं।

देश व राज्य के नीति निर्माताओं ने सीमावर्ती राज्य के तौर पर पंजाब की भौगोलिक चुनौतियों को कभी गंभीरता से

नहीं लिया। समुद्री पोर्ट से दूरी, कमजोर कनैक्टिविटी, आए दिन धरने-प्रदर्शन व आंदोलनों ने राज्य में नए निवेश की राह में बाधाएं पैदा की हैं। इन चुनौतियों से औद्योगिक विकास में चिंताजनक गिरावट को हलके में नहीं लिया जा सकता। नीति आयोग के ताजा 'एक्सपोर्ट प्रीपेयर्डनैस इंडैक्स' (ई.पी.आई.) में पंजाब 10वें स्थान पर है, जबकि हरियाणा 5वें पर। एक्सपोर्ट में देश के शीर्ष 25 जिलों में 54 प्रतिशत हिस्सेदारी गुजरात के सबसे अधिक 8 जिलों की है, जबकि महाराष्ट्र के 5 और हरियाणा का 1 जिला इसमें है। पंजाब का एक भी जिला इनमें शामिल नहीं है।

स्पैशल एक्सपोर्ट पॉलिसी की जरूरत क्यों = केंद्र सरकार ने फॉरेन ट्रेड पॉलिसी के तहत 2030 तक 2 ट्रिलियन डॉलर का एक्सपोर्ट कारोबार का लक्ष्य रखा है, जबकि देश के 766 जिलों में से केवल 43 को 'सैंटर्स ऑफ एक्सपोर्ट एक्सीलैंस' के तौर पर ग्लोबल मार्केट सर्वे, ब्रांड प्रमोशन, वेयरहाऊस स्थापित करने के लिए इंसैंटिव व प्लांट-मशीनरी के लिए कैपिटल गुड्स के इंपोर्ट को कस्टम ड्यूटी मुक्त रखा गया है। केंद्र सरकार के इंसैंटिव में इस भेदभाव के चलते राज्यों के लिए अपनी एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी लागू करना जरूरी है। इस भेदभाव से केंद्र सरकार के 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की पहल कमजोर पड़ती है। ऐसे में पंजाब सरकार एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी बनाकर 'इंडस्ट्रीज ऑफ एक्सपोर्ट एक्सीलैंस' को आगे बढ़ाए। यह रणनीतिक पॉलिसी पंजाब के टैक्सटाइल-अपैरल, साइकिल, ऑटो पार्ट्स, ट्रैक्टर, इंजीनियरिंग सामान, हैंड व मशीन टूल्स, खेल के सामान, जूते और चमड़े के प्रोडक्टस से जुड़े एम.एस.एम.ईज सैक्टरों को एक्सपोर्ट बढ़ाने में सक्षम बनाएगी।

एम.एस.एम.ईज एक्सपोर्ट क्षमता = पंजाब के औद्योगिक विकास की रीढ़ 14.65 लाख एम.एस.एम.ईज ग्लोबल मार्केट में कारोबार विस्तार के लिए तैयार हैं। एक्सपोर्ट पावर हाऊस के रूप में लुधियाना साल 2023-24 में पंजाब के 55,844 करोड़ रुपए के एक्सपोर्ट कारोबार में 20,140 करोड़ की भागीदारी से राज्य के शीर्ष 10 एक्सपोर्टर जिलों में पहले नंबर पर रहा। लुधियाना से देश का 80 प्रतिशत साइकिल एक्सपोर्ट और बढ़ाने की क्षमता है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का रायपुर एयरपोर्ट पर हुआ आत्मीय स्वागत

रायपुर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव छत्तीगसढ़ राज्योत्सव 2024 के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए राजधानी रायपुर पहुंचे। रायपुर एयरपोर्ट में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, जगदलपुर विधायक किरण देव, रायपुर ग्रामीण विधायक मोती लाल साहू, अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू, विधायक पुरंदर मिश्रा, धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, आरंग विधायक गुरू खुशवंत साहेब सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने आत्मीय स्वागत किया। बता दें कि राज्योत्सव के उदघाटन से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पुरानी बस्ती के ठेठवार भवन जाएंगे। वहां यादव समाज के दीपावली मिलन समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद वह पुरानी बस्ती से नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव स्थल रवाना होंगे। जहां वह राज्योत्सव का शुभारंभ करेंगे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे। छत्तीगसढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि होंगे।

बस्तर में धर्मांतरण रोकने और हिंदुत्व को जगाने के लिए आएंगेः पं. धीरेंद्र शास्त्री

रायपुर। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने आज अपने छत्तीसगढ़ दौरे से लौटते समय रायपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से प्रदेश से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की. इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि वे छत्तीसगढ़ के कवर्धा और कांकेर दौरे पर गए हुए थे. उन्होंने बताया कि हमने कबीरधाम (कवर्धा) में हनुमान मंदिर का भूमि पूजन किया और उसके बाद हम कांकेर भी गए थे. उन्होंने बताया कि वे बहुत ही जल्द बस्तर में धर्मांतरण को रोकने के लिए और लोगों को सनातन के प्रति जागरूक करने, एकजुट करने के लिए, हिंदुत्व को जगाने के लिए आएंगे, जिससे मानवता पर कार्य किया जा सके. छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि पूर्व

में बहुत धर्मांतरण हो चुके हैं. उन्हें घर वापसी करा रहे हैं. जैसे कल कांकेर में 11 लोगों की घर वापसी कराए हैं. उन्होंने बताया कि वहां जब पूछा गया कि धर्म परिवर्तन कब हुआ था ? तो लोगों ने बताया 2019, 2021, 2020, में और कुछ के तो बहुत पहले ही धर्मांतरण हो चुके हैं. वर्तमान में यह हो रहा है या नहीं, ये हम नहीं देखे हैं.

मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम..?

वहीं महाकुंभ में गैर हिन्दु दुकानदारों को वर्जित करने की साधुओं की मांग पर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि जैसे इनका कोई आयोजन होता है, इनका मक्का मदीना है. वहां सनातनी हिंदुओं की दुकान नहीं होता है. वहां हिन्दुओं लोगों को जाने नहीं मिलता, वहां पर हमने यह देखा है. उन्होंने कहा कि हम आपको वीडियो दिखाएंगे, वहां भगवा रंग के कपड़े पहनकर भी मक्का मदीना में प्रवेश नहीं कर सकते, वहां इन पर रोक है. तो फ्रि मेरे अंगने में उनका क्या काम..? उन्होंने कहा कि हमारे सनातन धर्म का महाकुंभ हमारे संतो की महिमा त्रिवेणी संगम की महिमा हम सब जानते हैं. हमारे शंकराचार्य अखाड़ा परिषद जो निर्णय लेंगे, हम उसमें सहमत हैं. अगर वे यह रोक लगा रहे हैंज्तो यह सही है. हम मुसलमान के खिलाफ नहीं हैं. हम केवल अमानवीय कृत, थूक कांड करने वाले, पेशाब कांड करने वाले, मानसिकता के खिलाफ हैं. बस्तर में बढ़ते अपराधों के पीछे शिक्षा के अभाव को एक बड़ा कारण बताते हुए, शास्त्री ने कहा कि शिक्षा का विकास प्रदेश और देश के विकास में मदद करेगा. उन्होंने कहा कि गुरुकुल पद्धति की शिक्षा को अपनाना चाहिए, जिसमें अहिंसा परमो धर्मः का पाठ पढ़ाने पर जोर दिया गया है. धीरेंद्र शास्त्री ने आरोप लगाया कि धर्मांतरण के नाम पर आदिवासी संस्कृति को खत्म करने के प्रयास किए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि जशपुर में एशिया के सबसे बड़े चर्च का उदाहरण देते हुए बताया कि विदेशी ताकतें योजनाबद्ध तरीके से धर्मांतरण में लगी हुई हैं।

हमने छत्तीसगढ़ को केवल बनाया ही नहीं बल्कि इसके समृद्ध और उज्ज्वल भविष्य की जिम्मेदारी भी उठाई-उपमुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर-राज्योत्सव के अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सभी प्रदेशवासियों को राज्योत्सव की बधाई दी। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण और विकास की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को स्मरण करते हुए कहा कि उनके दृढ़ संकल्प और साहसिक निर्णय से छत्तीसगढ़ राज्य का सपना साकार हुआ। अटल जी के इस योगदान को हम सभी हृदय से नमन करते हैं। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि सरकार छत्तीसगढ़ को एक नई दिशा देने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही है। हमने छत्तीसगढ़ को केवल बनाया ही नहीं, बल्कि इसके समृद्ध और उज्ज्वल भविष्य की जिम्मेदारी भी उठाई है। यह संकल्प विशेष रूप से भाजपा का ही है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जन-जन के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करने और प्रदेश की प्रगति के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग एकजुट होकर प्रदेश के विकास में लगे हुए हैं और विभिन्न क्षेत्रों में नए-नए प्रतिमान स्थापित कर रहे हैं। 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार का विजन् मिलकर छत्तीसगढ़ को 2047 तक नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना बना चुकी है। हमारा उद्देश्य प्रदेश में सतत विकास के साथ उन्नति के मार्ग को प्रशस्त करना है।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां

तीजा-पोरा, हरेली, गौरी-गौरा पूजा के साथ ही सुवा-करमा नृत्य की शानदार प्रस्तुति से दर्शक मंत्रमुग्ध हुए

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस राज्योत्सव 2024 का भव्य शुभारंभ आज छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति से हुआ। नवा रायपुर के राज्योत्सव ग्राउण्ड के मुख्य मंच से छत्तीसगढ़ी कलाकारों के दल ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। तीन दिवसीय राज्योत्सव के आयोजन को लेकर मेला स्थल को शानदार ढंग से सजाया गया है। हजारों की संख्या में लोग यहां आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद और प्रदर्शनी देखने के लिए पहुंचे।

राज्योत्सव 2024 का शुभारंभ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने की। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री द्वय श्री अरूण साव एवं श्री विजय शर्मा सहित अन्य मंत्रिगण,

सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के शुभारंभ के पूर्व से ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों का दौर शुरू हो गया। सुप्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी लोक कलाकार स्व.लक्ष्मण मस्तुरिहा के गीतों की प्रस्तुति ने खूब समां बांधा। रिखी क्षत्रीय की टीम ने छत्तीसगढ़ राज्य में अलग-अलग महीनों में आयोजित होने वाले तीज-त्यौहार एवं लोकपर्व आधारित कार्यक्रमों की संवाद, गीत एवं नृत्य के माध्यम से शानदार प्रस्तुति दी। उनकी टीम ने तीजा-पोरा, जंवारा, हरेली, गौरी-गौरा पूजा के साथ ही सुवा नृत्य एवं करमा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रिखी क्षत्रीय की टीम की सभी प्रस्तुतियों का दर्शकों ने ताली बजाकर सराहा। इससे पूर्व रजनी रजक की लोकगाथा पर आधारित ढोला-मारू की प्रस्तुति रेवा-पेरवा जादूगरनी की कहानी को गायन विधा में तथा महेन्द्र चौहान एवं साथी द्वारा प्रस्तुत आदिवृंदम एवं चन्द्रभूषण वर्मा की प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा।

गृह मंत्री दक्षता पदक से सम्मानित होंगे छत्तीसगढ़ के 181 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक की घोषणा कर दी है। गृह मंत्रायल ने देश के विभिन्न राज्यों की पुलिस के 348 अफसरों और कर्मचारियों को पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। इनमें सबसे ज्यादा 181 छत्तीगसढ़ पुलिस के अफसर और जवान शामिल हैं। एडीजी विवेकानंद सिन्हा, एसपी विजय पांडे,एसपी आई के एलेसेला, समेत निरीक्षक, उप निरीक्षक, एएसआई, हवलदार और आरक्षक को केंद्रीय गृह मंत्री का पुलिस पदक मिलेगा। सबसे अधिक जवान कांकेर नक्सल मुठभेड़ मामले में सम्मानित होंगे। आईजी अमरेश मिश्रा को भी केंद्रीय गृह मंत्री पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। एनआईए में पदस्थापना के दौरान इन्वेस्टिगेशन में उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें सम्मानित किया जाएगा। साथ ही छत्तीसगढ़ पुलिस के सब इंस्पेक्टर अजय सिन्हा को भी इन्वेस्टिगेशन में केंद्रीय गृह मंत्री पदक से सम्मानित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

दक्षिण में नया इतिहास रचेंगे: दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अबकी बार हम दक्षिण में नया इतिहास रचेंगे। पूरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के पक्ष में वातावरण बना हुआ है। जनता के आर्शिवाद से यहां से कांग्रेस के प्रत्याशी आकाश शर्मा चुनाव जीतेंगे। दक्षिण विधानसभा का चुनाव में साय सरकार के 11 माह के कुशासन के खिलाफ जनता मतदान करने को तत्पर है। 11 माह में राज्य की बिग?ती कानून व्यवस्था भाजपा की वायदाखिलाफी, सरकार का कुशासन ब?ा चुनावी मुद्दा होगा। केई सरकार 11 माह के अल्प समय में ही इतनी ज्यादा अलोकप्रिय साबित हो सकती है। इसका उदाहरण छत्तीसग? की भाजपा सरकार है। जनता भाजपा सरकार से ऊब चुकी है, अत: जनमानस भाजपा के खिलाफ है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी आकाश शर्मा प्रचंड मतो से चुनाव जीतेंगे। कांग्रेस का प्रत्याशी युवा है, उनको व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। वे जुझारू है। इसके विपरीत भाजपा प्रत्याशी पर सांसद रहते हुये निष्क्रियता का तमगा लगा हुआ है। रायपुर की जनता ने सांसद के रूप में सुनील सोनी को अवसर दिया था लेकिन वे जन आकांक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाये।

जनता सुनील को निष्क्रिय मान रही: आकाश

रायपुर। कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा ने आज चंद्रशेखर आजाद वार्ड एवं छत्तीसगढ़ नगर में जनसंपर्क किया। वे घर-घर जाकर आशीर्वाद लिये एवं मतदान में भाग लेकर कांग्रेस को वोट देने की अपील किया। आकाश शर्मा ने कहा कि सुनील सोनी को जनता महापौर फिर सांसद बनाया लेकिन सोनी ने जनता के हित में कोई काम नहीं किये। जनता सुनील सोनी को निष्क्रिय मान रही है। दक्षिण विधानसभा की जनता परिवर्तन करने तैयार है। सुनील सोनी को बताना चाहिये, उन्होंने सांसद निधि से दक्षिण विधानसभा के लिये क्या विकास कार्य किये है? राजधानी में चौक-चौराहे में चाकूबाजी हो रही है। गली-गली में नशे का सामान बिक रहा है। व्यापारियों के घर में गोली चल रही है। महिलाएं सुरक्षित नहीं है। जनता डरी हुई है। भाजपा सरकार से जनता का विश्वास उठ गया है। बिजली की महंगाई, बिजली कटौती से लोग परेशान है। गरीबों के राशन में डाका डाला जा रहा है।

राज्योत्सव के लिए दर्शकों को मिलेगी निःशुल्क बस सेवा

रायपुर। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर नवा रायपुर के पंडित दीन दयाल उपाध्याय व्यापार परिसर तूता में तीन दिनी राज्योत्सव का आयोजन किया जा रहा है । रायपुर शहर से राज्योत्सव स्थल तक जाने और वापस आने के लिए ज़िला प्रशासन द्वारा दर्शकों को चार से छः तारीख़ तक निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। चार तारीख़ से दोपहर तीन बजे से हर घंटे बसें तूता नवा रायपुर के लिये रवाना होंगी। निःशुल्क बस सेवा रायपुर शहर के रेलवे स्टेशन स्टैंड, कालिबाडी चौक, पचपेड़ी नाका और भाटागाँव नये बस स्टैंड से संचालित होंगी। ऐसी बसों पर 'राज्योत्सव हेतु निःशुल्क बस सेवा' प्रदर्शित रहेगा। रायपुर शहर से बसें दोपहर तीन बजे, चार बजे, पाँच बजे, शाम छह बजे, सात बजे, आठ बजे और रात्रि नौ बजे रवाना होंगी। इसी तरह तूता राज्योत्सव स्थल से रायपुर शहर वापसी के लिए यही बसें शाम चार बजे, पाँच बजे, छह बजे, सात बजे, आठ बजे, रात्रि नौ बजे और अंतिम बस रात्रि दस बजे रवाना होंगी। रायपुर का आरटीओ ऑफिस आम जनों की सुविधा के लिए अगले तीन दिन राज्योत्सव स्थल तूता में लर्निंग लाइसेंस बनाएगा। इसके लिए आरटीओ कार्यालय राज्योत्सव स्थल पर सुसज्जित स्टॉल लगा रहा है । यह स्टॉल कृषि विभाग के स्टॉल बाजू में लगेगा। वाहन चलाने के लिए लर्निंग लाइसेंस बनाने वाले ज़रूरी दस्तावेज के साथ स्टॉल में लाइसेंस बनवा सकते है ।

ईवीएम और वीवी पैट का हुआ द्वितीय रेण्डमाईजेशन

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपनिर्वाचन 2024 के लिए सामान्य प्रेक्षक श्रीमती जी. रेखा रानी के समक्ष एवं राजनैतिक दलों की उपस्थिति में ईवीएम एवं वीवी पैट मशीनों का रेडक्रॉस सभाकक्ष में द्वितीय रेण्डमाईजेशन किया गया। रेण्डमाईजेशन के पश्चात फाईनालाईज्ड कए गये ईवीएम बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट, वीवी पैट मशीन में उल्लेख आईडी नंबर सहित सूची राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई। रेण्डमाईजेशन की प्रक्रिया में रायपुर दक्षिण विधानसभा उपनिर्वाचन 2024 अंतर्गत बीयू 719, सीयू 379 एवं वीवीपैट 425 का द्वितीय रेण्डमाईजेशन किया गया। इस अवसर पर रिटर्निंग ऑफिसर श्री पुष्पेंद्र शर्मा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर बंदे, सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़

रायपुर। रेलवे ने त्योहारों पर हजारों स्पेशल ट्रेने चलाकर यात्रियों की भीड़ कम करने के कई दावे किए थे. लेकिन हकीकत ये है कि ट्रेनों के जनरल डिब्बे में यात्रियों के लिए पैर रखने की जगह नहीं है. आलम ये है कि यात्री ट्रेन के दरवाजे के ऊपर बैठकर यात्रा करने को मजबूर हो गए है. बिलासपुर-ओखा ट्रेन आज सोमवार को जब रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंची तो इसमें यात्रियों की भारी भीड़ देखी गई. ट्रेन के जनरल डिब्बे में पैर रखने की जगह तक नहीं थी. ट्रेन में आलम ये था कि जनरल डिब्बे में यात्री दरवाजे के ऊपर बैठकर और दरवाजे के पास ही एक कपड़ा बांधकर यात्रा करने को मजबूर नजर आए. लेकिन ऐसे यात्रा करने जानलेवा साबित हो सकता है. सीसीटीवी से निगरानी कर रही आरपीएफ-यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा आपराधिक एवं संदिग्ध गतिविधियों की रोकथाम के क्रम में बिलासपुर रेल मंडल के 10 स्टेशनों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गये हैं जिसमें बिलासपुर-105, रायगढ स्टेशन में 32, पेण्ड्रारोड स्टेशन में 16, अनुपपुर स्टेशन में 32, शहडोल स्टेशन में 16, अकलतरा स्टेशन में 12, चाँपा स्टेशन में 23, कोरबा स्टेशन में 12, अम्बिकापुर में 14 तथा उमरिया स्टेशन में 15 सहित 10 स्टेशनों में सीसीटीवी कैमरे स्थापित किये जा चुके हैं.

राजयोग से परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति मिलती हैः रजनी

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के जापान एवं फिलिपीन्स स्थित सेवाकेन्द्रों की इन्चार्ज ब्रह्माकुमारी रजनी दीदी ने बतलाया कि राजयोग श्रेष्ठ योग पद्धति है। इससे विपरीत परिस्थितियों का सामना करने में मदद मिलती है। विदेशियों को यह काफी आकर्षित करता है। ब्रह्माकुमारी रजनी दीदी शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में अपना अनुभव सुना रही थीं। वह इन दिनों जापान से खास छत्तीसगढ़ में ब्रह्माकुमारी संस्थान की सेवाओं को देखने के लिए यहाँ आयी हुई हैं। आगे वह भिलाई, दुर्ग और राजनांदगांव भी जाएंगी।

उन्होंने आगे बतलाया कि जापान में बहुतांश लोग बौद्ध धर्म को मानने वाले हैं। वह लोग ईश्वर को नहीं मानते हैं। ऐसे देश में उनको हिन्दू फिलासफी को समझाना कठिन होता है। भारत में तो सभी लोग रामायण महाभारत और गीता आदि शास्त्र पढ़े हुए होते हैं अत- उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान सुनाना और उनकी सेवा करना आसान होता है लेकिन विदेश में जहाँ की संस्कृति रहन-सहन और खान-पान सब कुछ भिन्न होता है। वहाँपर हमको सप्ताह कोर्स कराने में बहुत मेहनत करनी पड़ती है। इसमें काफी समय लग जाता है। इतना ही नहीं वहाँ ज्ञान पर सुनाने

के साथ-साथ लोगों को शुद्ध शाकाहारी और सात्विक भोजन बनाना भी सिखाना पड़ता है। उन्होंने बतलाया कि जापान में भूकम्प आने पर सुरक्षा की दृष्टि से बिजली पानी आदि सब सुविधाएं बन्द हो जाती हैं। ऐसे ही एक अवसर पर आश्रय स्थल में उन्हें सत्तर लोग मिले। जहाँ पर ब्रह्माकुमारी बहनों को बिना विचलित हुए निश्चिन्त बैठे देखकर लोगों ने पूछा कि आप इतना निश्चिन्त कैसे हैं? जब उन्हें पता चला कि हम राजयोगी हैं तो उन्होंने भी राजयोग सीखने की इच्छा प्रकट की। इस प्रकार राजयोग हमें हर परिस्थिति में शान्त रहना सीखाता है। उन्होंने कहा कि भारत के सारे त्यौहार वह लोग विदेशों में भी मनाते हैं लेकिन वहाँ इतना धूमधाम नहीं होता है। मकानों में इतनी सजावट भी नहीं होती है। भारत में तो सभी त्यौहार बहुत ही उमंग-उत्साह के साथ मनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान में आने से आध्यात्मिकता को अपनाने से हमारे जीवन में बदलाव आया है। हम सब बहुत भाग्यशाली आत्माएं हैं जो कि हमें बाबा का ज्ञान मिला। परिवर्तन का आधार पवित्रता है। यही हमारे आध्यात्मिक जीवन की बुनियाद भी है। हमारे मन में किसी के भी प्रति दुर्भावना अथवा वैमनस्यता न हो। मन से सब मैल निकाल दो। दिवाली मनाना माना अन्दर की सफाई करना।

तीन माह से व्यावसायिक शिक्षकों को वेतन नहीं दे रही ठेका कंपनी, दीपावली में भी नहीं किया भुगतान

रायपुर। समग्र शिक्षा द्वारा संचालित व्यावसायिक शिक्षा योजना के ठेका कम्पनी लर्नेट स्किल लिमिटेड ने सरकार के आदेश को ठेंगा दिखाते हुए व्यावसायिक शिक्षकों को दीपावली में भी वेतन भुगतान नहीं किया. इससे आक्रोशित राज्यभर के व्यवसायिक शिक्षक समग्र शिक्षा कार्यालय पहुंचे और ठेका कंपनी को हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा. व्यावसायिक शिक्षक अभिषेक ताम्रकार, जयंत साहू ने बताया कि साल के सबसे बड़े त्योहार दीपावली पर्व में मजदूरों को भुगतान किया गया, लेकिन हमें दिवाली में भी सैलरी नहीं दी गई. साथ ही इसके पहले 3 महीने से सैलरी नहीं दी गई है. पिछले तीन

महीने से सैलरी नहीं मिली है तो हमारा हालात क्या होगा, समझा जा सकता है. दीवाली के पर्व पर हमारे घर वालों और बच्चों को ना मिठाई दिला पाए न उनके लिए कपड़े ख़रीदे न पटाखें, बस दूसरों को देखते हुए त्योहार निकला है. ज्योति श्रीवास्तव, गोविंद नारायण साहू, गायत्री सलाम ने कहा, विभाग के पास जाते हैं तो विभाग वाले ठेका कंपनी की गलती बताते हैं. ठेका कंपनी के पास जाते हैं तो विभाग ने पैसा नहीं दिया बोलकर हमें भगा दिया जाता है. हमारे दुख दर्द को कोई नहीं समझ रहा है. इतना बड़ा पर्व निकल गया, हाथ खाली थे. आज भी हम अधिकारियों के पास गए थे सिर्फ आश्वासन दिया गया. कोई समाधान नहीं निकला. अधिकारियों का कहना है कि कंपनी के फ़ाइल में गड़बड़ी थी इसलिए उनका भुगतान रोका गया है.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.